अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 155 लखनऊ, शुक्रवार, 19 दिसम्बर 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

वीबी 'जी राम जी' विधेयक लोकसभा से पारित

● 'जी राम जी' पर चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों का आचरण निंदनीय: शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। विकसित भारत - गॉरंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक-2025 यानी विकसित भारतऽजी राम जी विधेयक गुरुवार को लोकसभा में पारित हो गया। इससे पहले विधेयक पर लंबी चर्चा हुई। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष को जमकर कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मनरेगा को मोदी सरकार ने बहुत अच्छे से चलाया, जबकि कांग्रेस सरकार ने तो इसके नाम पर केवल ढोंग किया और 2009 के चुनाव के समय चुनावी लाभ लेने के लिए महात्मा गांधी का नाम नरेगा में जोड़ा था।

चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने तो आपातकाल लगाकर और देश में भ्रष्टाचार व घोटाले करके बापू के आदर्शों की हत्या की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मजदूरों को पर्याप्त रोजगार नहीं दिया था, जबकि मोदी सरकार ने इसके लिए 1.51 लाख करोड़ रुपये का बजट रखा है। उन्होंने कहा कि इस सदन में रात डेढ़ बजे तक, हमने सदस्यों के विचार सुने, अब जवाब देना मेरा अधिकार है, अपनी बात सुना देना, फिर जवाब ना सुनना, ये लोकतांत्रिक परंपराओं को तार-तार करना है, संविधान की धज्जियां उड़ाना है। ये बापू के आदर्शों की हत्या भी कर रहे हैं।

शिवराज सिंह ने कहा कि बापू हमारी श्रद्धा हैं, आदर्श हैं, प्रेरणा हैं, विश्वास हैं, इसलिए भाजपा ने अपनी पंचनिष्ठा में गांधी जी के सामाजिक, आर्थिक दर्शन को स्थान दिया। हम गांधीजी के आदर्शों पर चलने वाले लोग हैं, गांधीजी ने कहा था- गांव भारत की आत्मा है, अगर गांव मर जाएंगे तो भारत मर जाएगा। अपना हिंदुस्तान हमारे गांवों में बसा है, यह बिल गांवों के विकास का बिल है। चौहान ने कहा कि विधेयक पर चर्चा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी व्यर्थ में घसीटा गया। संघ व्यक्ति निर्माण में विश्वास करता है- देशभक्त, चरित्रवान, ईमानदार, परिश्रमी व्यक्ति। शिवराज सिंह ने कहा कि संघ के विचार कभी भी सीमित और संकीर्ण नहीं रहे। व्यक्तिगत हितों से ऊपर उसके लाखों कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के पवित्र काम में लगे हैं। सरसंघचालक मोहन भागवत के विचार पढ़ लीजिए, हिंदू तो संकीर्ण नहीं है।

'वीबी-जी राम जी बिल' गरीब विरोधी, कांग्रेस करेगी पुरजोर विरोध: प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा से आज पारित विकसित भारत- रोजगार और आजीविका मिशन गारंटी (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी विधेयक को गरीब विरोधी बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इसका पुरजोर विरोध करेगी।

शांति विधेयक पर लगी संसद की मुहर

नई दिल्ली। भारत के रूपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा के संधारणीय दोहन और अभिवर्धन विधेयक 2025 यानी शांति विधेयक पर संसद ने अपनी मुहर लगा दी है। लोकसभा के बाद राज्य सभा में भी गुरुवार को छह घंटे से अधिक चली मैराथन बहस के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इससे पहले बुधवार को यह विधेयक लोकसभा से मंजूरी प्राप्त कर चुका था। राज्य सभा में विधेयक के पारित होने के दौरान विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया और इसे स्थायी समिति के पास भेजने की मांग की, हालांकि सरकार ने आपत्तियों को खारिज करते हुए विधेयक को मंजूरी दिला दी। विधेयक पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष ने इसे देश की ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए अहम करार दिया, जबकि विपक्ष ने सुरक्षा, दायित्व, निजीकरण और नियामक ढांचे को लेकर गंभीर सवाल उठाए। विपक्षी सदस्यों का कहना था कि इतने महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय पर पर्याप्त समय और गहन संसदीय जांच आवश्यक थी।

संक्षिप्त

उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड, शीत दिवस और घने कोहरे का अलर्ट

लखनऊ। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर प्रदेश में आगामी तीन दिनों तक कड़ाके की ठंड की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार 18 दिसंबर से 21 दिसंबर तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में ठंड का प्रकोप बना रहेगा और सुबह के समय दृश्यता बेहद कम हो सकती है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ एके सिंह ने बताया कि निचले वायुमंडल में बनी प्रतिकूल परिस्थितियों, उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते प्रदेश में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।

रेलवे ने क्रिसमस-नववर्ष पर 244 विशेष ट्रेनों का किया संचालन

नई दिल्ली। क्रिसमस और नववर्ष के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। रेलवे ने त्योहारी सीजन 2025ऽ26 के लिए देश के आठ रेलवे जोनों में अब तक कुल 244 विशेष फ़ेरे अधिसूचित किए हैं। रेलवे आने वाले दिनों में और विशेष ट्रेनों की घोषणा करेगा। रेलवे के अनुसार, सबसे अधिक 76 फ़ेरे मध्य रेलवे में और 72 फ़ेरे पश्चिम रेलवे में अधिसूचित किए गए हैं। दक्षिण मध्य रेलवे में 26, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 24, दक्षिण पश्चिम रेलवे में 28, उत्तर रेलवे में आठ, उत्तर पश्चिम रेलवे में छह और पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में चार फ़ेरे निर्धारित किए गए हैं।

सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वालों को पुरस्कृत किया जायेगा: गडकरी

नई दिल्ली। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोक सभा में बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की मदद करने वालों को अब पुलिस से पूछताछ या अन्य किसी तरह की परेशानी का सामना करना नहीं पड़ेगा और उन्हें पुरस्कृत भी किया जायेगा। घायलों की मदद करने वालों को 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी दी जायेगी। उन्होंने लोगों से सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने बताया कि घायलों के अस्पताल पहुंचने पर तुरंत उनका इलाज शुरू हो सके, इसके लिए अस्पतालों को तत्काल डेढ़ लाख रुपये तुरंत प्रतिपूर्ति के रूप में दिये जायेंगे।

वायु सेना भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तैयार रहें : रक्षा मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को वायु सेना के कमांडरों से ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेने और भविष्य की हर चुनौती का मुकाबला करने के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि भारत की वायु सेना तकनीकी में उन्नत, ऑपरेशन में तेज, रणनीतिक रूप से आश्वस्त और भविष्य को ध्यान में रखने वाली फोर्स है, जो आज के समय में देश के हितों की रक्षा कर रही है।

भारत सरकार प्रवासियों के कल्याण को प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री

● प्रधानमंत्री मोदी ऑर्डर ऑफ ओमान से सम्मानित

एजेंसी

मस्कट (ओमान)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विविधता को भारतीय संस्कृति की नींव बताते हुए गुरुवार को कहा कि यह एक ऐसा मूल्य जो उन्हें किसी भी समाज में घुलमिल जाने में मदद करता है। ओमान में भारतीय समुदाय के प्रति सम्मान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सह-अस्तित्व और सहयोग भारतीय प्रवासी समुदाय की पहचान रहे हैं। प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों के कल्याण के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी और जहां भी हमारे लोगों को मदद की जरूरत होती है, सरकार उनका हाथ थामने के लिए तत्पर रहती है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और ओमान के बीच मांडवी से लेकर मस्कट तक सदियों पुराने संबंध हैं और प्रवासी समुदाय कड़ी मेहनत और एकजुटता के माध्यम से इसे पोषित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने समुदाय के कल्याण के लिए सुल्तान हैथम बिन तारिक के समर्थन के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने आज मस्कट (ओमान) में भारतीय समुदाय की विशाल सभा को संबोधित किया। श्रोताओं में विभिन्न भारतीय स्कूलों के 700 से अधिक छात्र शामिल थे। ओमान में भारतीय स्कूलों के लिए यह वर्ष विशेष महत्व रखता है। यह देश में उनकी स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत केवल बाजार नहीं बल्कि वस्तुओं और सेवाओं से लेकर डिजिटल समाधानों तक, दुनिया के लिए एक आदर्श है। उन्होंने पुष्टि की कि भारत-ओमान साझेदारी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सहयोग, डिजिटल शिक्षा, नवाचार साझेदारी और उद्यमिता आदान-प्रदान के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार हो रही है।

उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने, गहन ज्ञान प्राप्त करने और साहसिक नवाचार करने का आह्वान किया ताकि वे मानवता के लिए सार्थक योगदान दे सकें। प्रधानमंत्री ने भारत की परिवर्तनकारी वृद्धि, परिवर्तन की गति और व्यापकता तथा पिछली तिमाही में 8 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि से परिलक्षित अर्थव्यवस्था की मजबूती के बारे में बात की।

''राष्ट्र की आत्मा संस्कृति में होती है'': योगी

● कलाकारों को सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त वातावरण देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरूवार को भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के शताब्दी वर्ष समारोह के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कलाकारों को सम्मान और प्रोत्साहित देने का हमारी सरकार करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कलाकारों को सुरक्षित,सम्मानित और सशक्त वातावरण देने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। हम कलाकारों के कल्याण,स्वास्थ्य,उनके लिए मंच,प्रशिक्षण और आजीविका के लिए कार्य करेंगे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब देश गुलाम था तब संगीत व कला के लिए जब कोई मंच नहीं था। ऐसे समय में भारत की शास्त्रीय परम्परा को एक वैश्विक पहचान देने का काम पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे ने किया था। उन्होंने भारतीय संगीत को वैज्ञानिक आधार दिया। शास्त्रीय अनुशासन और सुव्य?वस्थित पाठ्यक्रम दिया। गुरू शिष्य परम्परा को आधुनिक शिक्षा पद्धति से ?जोडने का अभिनव कार्य किया। अपितु भारतीय संस्कृति को आत्म सम्मान व आत्मगौरव आत्मगौरव और स्थायित्व देने का ऐतिहासिक प्रयास उस समय पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे के द्वारा प्रारंभ हुआ था।

खाद माफिया पर लगेगा एनएसए: खेती के साथ खिलवाड़ अब 'सामान्य अपराध' नहीं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● कालाबाजारी की शिकायतों पर एफआईआर और सीधी प्रशासनिक कार्रवाई का प्रावधान

लखनऊ। योगी सरकार खाद की कालाबाजारी को लेकर काफी सख्त है। योगी सरकार ने खाद की कालाबाजारी के खिलाफ अब तक की सबसे सख्त कार्रवाई करते हुए साफ संदेश दिया है कि खेती और किसान हितों से जुड़ा अपराध किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर खाद माफिया के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) जैसी कठोर कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक में स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी कर रहे हैं, वे केवल कानून नहीं तोड़ रहे, बल्कि देश और प्रदेश की खाद्य सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे तत्वों को 'सामान्य अपराधी' मानकर नहीं छोड़ा जाएगा। जरूरत पड़ी तो उनके खिलाफ एनएसए जैसी कठोर धाराएं लगाई जाएंगी, ताकि वे लंबे समय तक समाज के लिए खतरा न बन सकें। योगी सरकार ने खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और ओवररेटिंग की शिकायतों पर त्वरित एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

यूपी की राजनीति में कुर्मी फैक्टर का बड़ा खेल

मनोज शुक्ला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर जातीय समीकरण केंद्र में आ गए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने महराजगंज से सांसद पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर साफ संकेत दे दिया है कि वह 2027 और उससे पहले होने वाले पंचायत व निकाय चुनावों में कुर्मी/पटेल वोटबैंक पर सीधा दांव खेलने जा रही है। ओबीसी वर्ग में यादवों के बाद कुर्मी समाज को सबसे बड़ा और प्रभावशाली माना जाता है। ऐसे में यह फैसला सिर्फ संगठनात्मक नहीं, बल्कि गहरे राजनीतिक मायनों वाला माना जा रहा है।

128 विधानसभा और 27 लोकसभा सीटों पर असर- जाति आधारित जनगणना के अभाव में कुर्मी समाज की आबादी के आंकड़े अनुमान पर आधारित हैं। 2001 में यूपी सरकार की हुकुम सिंह कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक कुर्मी/पटेल समाज राज्य की कुल आबादी का करीब 7.4 प्रतिशत है। 2025 में प्रदेश की अनुमानित आबादी लगभग 25 करोड़ मानी जाए, तो कुर्मी समाज की संख्या 1.75 से 2 करोड़ के बीच बैठती है।

राजनीतिक दृष्टि से यह समाज विधानसभा की 128 सीटों पर प्रभावी भूमिका निभाता है, इनमें से 48 से 50 सीटों पर निर्णायक स्थिति में रहता है, वहीं लोकसभा की 27 सीटों पर इसका असर माना जाता है, जिनमें करीब 11 सीटों पर जीत-हार तय करने की क्षमता रखता है।

मौजूदा सियासी ताकत: आंकड़ों में कुर्मी प्रतिनिधित्व-प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में इस समय 40 कुर्मी विधायक हैं– भाजपा: 27, सपा: 12, कांग्रेस: 1, लोकसभा की 80 सीटों में 11 कुर्मी सांसद हैं– सपा: 7, भाजपा: 3, अपना दल (एस): 1 (अनुप्रिया पटेल), इसके अलावा 5 कुर्मी एमएलसी, यूपी सरकार में 3 कैबिनेट मंत्री (स्वतंत्र देव सिंह, राकेश सचान, आशीष पटेल) और एक राज्यमंत्री, केंद्र सरकार में पंकज चौधरी और अनुप्रिया पटेल, 1 कुर्मी राज्यपाल (झारखंड), 8 जिला पंचायत अध्यक्ष, 67 ब्लॉक प्रमुख भी इसी समाज से आते हैं।

● पंकज चौधरी के प्रदेश अध्यक्ष बनने से बदलेगा सियासी संतुलन? अपना दल (एस) और सपा दोनों की बढ़ी चिंता

विधायकों की संख्या के लिहाज से कुर्मी समाज, ब्राह्मण और ठाकुर के बाद तीसरे स्थान पर है।

अपना दल (एस) की घटेगी मोलभाव की ताकत?

2014 से भाजपा और अपना दल (एस) का गठबंधन चला आ रहा है। कुर्मी/पटेल समाज के इर्द-गिर्द खड़ी यह पार्टी आज प्रदेश की तीसरी बड़ी राजनीतिक ताकत मानी जाती है। 2022 के विधानसभा चुनाव में अपना दल (एस) ने 17 सीटों पर चुनाव लड़कर 12 सीटें जीती थीं। लेकिन पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर भाजपा ने साफ संदेश दे दिया है कि वह अब कुर्मी नेतृत्व के लिए किसी सहयोगी पर निर्भर नहीं रहना चाहती। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे अपना दल (एस) की बारगेनिंग पावर घटेगी और भविष्य में सीटों के बंटवारे में उसे दबाव झेलना पड़ सकता है।

सपा के पीडीए फॉर्मूले को चुनौती

2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) रणनीति के जरिए बड़ी सफलता हासिल की थी। कंग्रेस के साथ गठबंधन में सपा ने 37 सीटें जीतीं, जिनमें 7 कुर्मी सांसद शामिल रहे। कुर्मी बहुल सीटों पर कुर्मी उम्मीदवार उतारना सपा की बड़ी रणनीति थी। अब भाजपा ने पंकज चौधरी को आगे कर सपा की इसी कुर्मी रणनीति को चुनौती दी है। विश्लेषकों के मुताबिक हर जाति में 15ऽ20 प्रतिशत वोट फ्लोटिंग होते हैं। यदि इनमें से बड़ा हिस्सा भाजपा की ओर शिफ्ट होता है, तो सपा को सीधा नुकसान हो सकता है।

भाजपा की पुरानी रणनीति, नया प्रयोग

भाजपा की रणनीति पहले भी रही है कि वह अलग-अलग ओबीसी जातियों में अपने बड़े चेहरे खड़े करे। कुशवाहा/मौर्य समाज में केशव प्रसाद मौर्य, राजभर समाज में अनिल राजभर (हालांकि यह प्रयोग पूरी तरह सफल नहीं हुआ), अब उसी तर्ज पर कुर्मी समाज में पंकज चौधरी को मजबूत किया जा रहा है।

पंचायत चुनाव होंगे पहला टेस्ट

राजनीतिक विश्लेषक अरविंद जय तिलक के मुताबिक, पंकज चौधरी के नेतृत्व में भाजपा अगर कुर्मी वोटबैंक में 50 प्रतिशत तक सेंध लगाने में सफल होती है, तो यह पार्टी की बड़ी रणनीतिक जीत होगी। पंचायत चुनाव इसके लिए पहला इम्तिहान साबित होंगे। इनके नतीजों के बाद ही तय होगा कि भाजपा अपना दल (एस) और अन्य सहयोगी दलों के साथ भविष्य में कैसा व्यवहार करती है। कुल मिलाकर, पंकज चौधरी का प्रदेश अध्यक्ष बनना सिर्फ संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि यूपी की जातीय राजनीति में बड़े शिफ्ट का संकेत है। अपना दल (एस) की पकड़ कमजोर पड़ सकती है, सपा के PDA फॉर्मूले को सीधी चुनौती मिलेगी, और 2027 की सियासी बिसात पर कुर्मी समाज एक बार फिर गेमचेंजर की भूमिका में नजर आएगा। उत्तर प्रदेश में सत्ता का रास्ता आज भी जातीय समीकरणों से होकर गुजरता है–और इस बार कुर्मी कार्ड सबसे आगे दिखाई दे रहा है।

पीएम सूर्यघर योजना में लखनऊ की एक रेजीडेंट वेलफ़ेयर एसोसिएशन में पहली बार सामुदायिक सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्ज़ा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। केंद्र सरकार की पीएम सूर्यघर योजना के तहत लखनऊ की किसी रेजीडेंट वेलफ़ेयर एसोसिएशन (टडइ) में पहली बार सामुदायिक सोलर रूफटॉप संयंत्र की सफल स्थापना की गई है। गोखले मार्ग स्थित सूर्या अपार्टमेंट आरडब्ल्यूए में लगाए गए 15 किलोवाट क्षमता के सोलर संयंत्र से न केवल बिजली बिल में हर माह ?20 हजार तक की बचत हो रही है, बल्कि यह पहल योगी सरकार की हरित ऊर्ज़ा नीति को भी मजबूती प्रदान कर रही है। यह लखनऊ की किसी भी आरडब्ल्यूए में पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत सामुदायिक क्षेत्र के लिए स्थापित पहला सोलर रूफटॉप संयंत्र है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नवीकरणीय ऊर्ज़ा को प्रोत्साहन देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के तहत केंद्र सरकार की पीएम सूर्यघर योजना को प्रदेश में प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्रुप हाउसिंग सोसायटी एवं रेजीडेण्ट वेलफ़ेयर एसोसिएशन के कामन एरिया की विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है। योजना के अंतर्गत सामुदायिक लाइटिंग, पंखे, वाटर पंप, लिफ्ट आदि के लिए अधिकतम 500 किलोवाट क्षमता तक सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाए जाने का प्रावधान है, जिस पर भारत सरकार द्वारा ?18,000 प्रति किलोवाट की दर से केंद्रानुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के ऊर्ज़ा विभाग एवं डिस्कॉम के सहयोग से आरडब्ल्यूए को इस योजना का लाभ लेने में सुविधा प्रदान की जा रही है। इस परियोजना पर कुल 8.10 लाख की लागत आई, जिसके सापेक्ष आरडब्ल्यूए को 2.70 लाख का केंद्रानुदान प्राप्त हुआ। संयंत्र के चालू होने से वर्तमान में विद्युत बिल में 15,000 से 20,000 प्रति माह तक की बचत हो रही है। इससे सामुदायिक सुविधाओं पर होने वाला खर्च कम होने के साथ-साथ निवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना भी संभव हो सका है।

काकोरी में भगवान पार्श्वनाथ की भव्य रथयात्रा, पंचकल्याणक महोत्सव की घोषणा

लखनऊ। काकोरी स्थित भगवान पारसनाथ धाम में भगवान पार्श्वनाथ के जन्म कल्याणक दिवस पर वार्षिक रथयात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस उत्सव में संपूर्ण अवध क्षेत्र से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ भाग लिया। जून 2026 में होगा ऐतिहासिक पंचकल्याणक मुख्य संयोजक ब्रिजेश जैन बंटी ने इस अवसर पर एक बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि आगामी 24 से 29 जून 2026 तक चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सानिध्य में 21 फीट ऊँची आदिनाथ भगवान की प्रतिमा का भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित होगा। नवगठित समिति ने भगवान के चरणों में श्रीफल अर्पित कर महोत्सव की सफलता का आशीर्वाद लिया पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष, संजीव जैन, कार्याध्यक्ष, जागेश जैन, महामंत्री, संदीप जैन, कोषाध्यक्ष, रितेश जैन, जय कुमार जैन (अवध क्षेत्र) महोत्सव की तैयारियां पूरे अवध क्षेत्र में उत्साह के साथ शुरू कर दी गई हैं।

एलडीए जनता अदालत में पेट पर शिकायत चिपकाकर अधिकारी से मिला फरियादी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के कर्मियों की कार्यशैली से आजिज आकर अधिकारियों से यूनीक तरीके से शिकायत की। वह अपनी शिकायत पेट पर चिपकाकर एलडीए ऑफिस पहुंच गए। उन्होंने बताया कि घर के पास एक टावर लगा है। उसे हटवाने के लिए 8 महीने से दौड़ रहा हूं। कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यह देखने को मिला गुरुवार को एलडीए में आयोजित जनता अदालत में। इस दौरान दूसरे फरियादी भी पहुंचे जिन्होंने अपनी शिकायतें दीं। साथ ही नगर निगम के एक पार्षद भी अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। उनका कहना था कि उनके वार्ड में भूमाफिया सरकारी जमीन पर होटल बनवा रहा है। उसे अधिकारी नहीं रोक रहे। गोमतीनगर से एक बुजुर्ग अपने घर के पास लगे टावर को हटवाने की शिकायत लेकर पहुंचे। सुरेश चंद्र ने बताया मेरे घर के पास में एक टावर लगा है। उसे हटाने की शिकायत वह 8 महीने से कर रहा हूं। अफसरों ने टावर हटाने के निर्देश भी दिए थे पर 8 महीने बीत जाने के बाद भी अभी तक वह नहीं हटा है। टावर मालिक से प्राधिकरण के अफसर मिल गए हैं इसीलिए टावर नहीं हट रहा। आशियाना रेजीडेंसी एसोसिएशन अध्यक्ष आरके पांडेय ने कहा आशियाना योजना बनाते समय अंसल ने सभी सेक्टरों में पार्क और कम्युनिटी सेंटर बनाने का वादा किया था। बाद में उसने जमीनों को बेच दिया। आवंटियों के दबाव के बाद अंसल ने आशियाना के सेक्टर-के में डेढ़ एकड़ जगह दी थी। उसके एक हिस्से में सभी आवंटियों ने पैसे से एक मंदिर बनवाया। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने मंदिर में अपना पुजारी बैठा दिया है। उस जमीन पर लखनऊ विकास प्राधिकरण अब कम्युनिटी सेंटर बनाने जा रहा है, जबकि पूरी योजना में सिर्फ एक पार्क है। इसके साथ ही एसोसिएशन ने शिकायत की है कि पार्क पर किसी तरह का कोई निर्माण नहीं करवाया जाए। इब्राहिमपुर वार्ड के पार्षद बृजमोहन शर्मा ने बताया कि उनके वार्ड में हरिहर नगर स्थित सरकारी जमीन पर माफिया कब्जा करके होटल बना रहे हैं। 2016 में महेश वर्मा नाम के भूमाफिया पर मुकदमा भी दर्ज हुआ था। इसके बाद से उसने होटल के निर्माण का काम बंद कर दिया था। लेकिन 10 दिनों से आरोपी बिल्डर ने फिर से होटल निर्माण का काम शुरू कर दिया है। इसको लेकर के लखनऊ विकास प्राधिकरण के जेई और नगर निगम के तहसीलदार से कई बार शिकायत की पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब इसकी शिकायत लेकर एलडीए वीसी से मिलने आए।

20 हजार वेफर्स क्षमता वाली ओसैट यूनिट से उत्तर प्रदेश बनेगा सेमीकंडक्टर हब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को उत्तर प्रदेश में नई गति और दिशा मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जिस आत्मनिर्भर और तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था का विजन लेकर आगे बढ़ रही है, उसकी मजबूत झलक एचसीएल और फॉक्सकॉन की संयुक्त ओसैट यूनिट के रूप में धरातल पर आने वाली है। सबसे प्रमुख विशेषता इसकी 20,000 वेफर्स प्रति माह की उत्पादन क्षमता है। यही क्षमता इस परियोजना को राष्ट्रीय स्तर पर रणनीतिक महत्व प्रदान करती है और भारत की सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता की दिशा में इसे एक बड़ा कदम बनाती है। अधिकारियों का कहना है कि जनवरी के मध्य में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरिमनी संभावित है, उसके बाद परियोजना पर तेजी से काम होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार यह कहते रहे हैं कि उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए सबसे भरोसेमंद राज्य बनाना सरकार की प्राथमिकता है। बेहतर कानून-व्यवस्था मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश अनुकूल नीतियों का परिणाम है कि एचसीएल और फॉक्सकॉन जैसी वैश्विक कंपनियां राज्य में निवेश के लिए आगे आई हैं। इस साझेदारी से न केवल तकनीकी विशेषज्ञता आएगी बल्कि सेमीकंडक्टर स्किल डेवलपमेंट को भी बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना केवल एक औद्योगिक निवेश नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश को भविष्य की वैश्विक तकनीक से जोड़ने वाला रणनीतिक कदम है। एचसीएल ग्रुप की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा का कहना है कि केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के पास यह इकाई स्थापित की जाएगी। करीब 3706 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाली यह यूनिट उत्तर प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्टिंग सुविधा होगी। इसमें हर माह 20,000 सिलिकॉन वेफर्स की प्रोसेसिंग की जाएगी जिनसे बड़े पैमाने पर सेमीकंडक्टर चिप्स तैयार होंगी। सेमीकंडक्टर उद्योग में वेफर को चिप निर्माण की आधारशिला माना जाता है। एक वेफर से चिप के आकार और तकनीक के अनुसार सैकड़ों से लेकर हजारों माइक्रोचिप्स तैयार की जाती है। ऐसे में 20,000 वेफर्स की मासिक क्षमता का अर्थ है कि यह यूनिट हर महीने लाखों से लेकर करोड़ों चिप्स के निर्माण से जुड़ी प्रक्रियाओं को अंजाम दे सकेगी। यह उत्पादन क्षमता भारत में डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स की बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने में निर्णायक साबित होगी।

शहीदपथ पर धू-धूकर जलने लगी कार,दो सवार उतरकर भागे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में शहीदपथ पर एक कार धू-धूकर जलने लगी। उसमें दो लोग सवार थे। जैसे ही बोनट से धुआं निकलने लगा वे दोनों तुरंत उतरकर भागे। दमकल को इसकी सूचना दी लेकिन जब तक दमकल की गाड़ियां पहुंची तब तक कार का केवल फ्रेम बचा था। 20 मिनट में पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग बुझाई। घटना गुरुवार दोपहर हुई। तेलीबाग के खुर्रम आसिफ अपने ड्राइवर कलीम के साथ साउथ सिटी जा रहे थे। वह जैसे ही शहीदपथ के नीचे सर्विस लेन पर सेक्टर-जे के पास पहुंचे कार के बोनट से धुआं निकलता दिखा। कार रोककर दोनों लोग जल्दी से उतरे और विस्फोट होने के डर से दूर भाग गए। कार मालिक खुर्रम का प्रॉपर्टी डीलिंग का काम है और तेलीबाग में एक पेट्रोल पंप है।

सपा महिला नेताओं का नीतीश कुमार-संजय निषाद के खिलाफ प्रदर्शन, पुलिस से हुई नोकझोंक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में हजरतगंज चौराहे पर सपा महिला नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा सरकार में मंत्री संजय निषाद के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर उनका इस्तीफा मांगा। प्रदर्शनकारियों ने दोनों नेताओं पर महिलाओं के अपमान और महिला विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में शामिल सपा नेता समयून खान और ममता चौधरी के साथ प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की और नेताओं के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक हुई। समयून खान ने कहा कि मंत्री संजय निषाद द्वारा दिया गया बयान महिलाओं का सीधा अपमान है। जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। एक महिला का नहीं बल्कि पूरे समाज का अपमान है। ऐसे लोग अगर मंत्री पद पर होंगे तो महिलाओं को न्याय और सम्मान कैसे मिलेगा। संजय निषाद का बयान सभ्य समाज पर धब्बा है। जिस कृत्य कि निंदा करना चाहिए था उसको समर्थन देकर महिला अपराध और महिलाओं के प्रति सामजिक नफरत को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर महिला सम्मान के साथ खिलवाड़ का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकत से समाज में महिलाओं के प्रति असंवेदनशीलता उजागर होती है। महिलाओं के सम्मान से जुड़े मुद्दों पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक संजय निषाद और नीतीश कुमार इस्तिफा देकर माफी नहीं मांगते, तब तक विरोध जारी रहेगा। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की बात करने वाली सरकार के लोगों के चेहरे से नकाब हट गया।

दबंगों ने घर में घुसकर की मारपीट, महिलाओं से की अभद्रता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर विस्तार थाना क्षेत्र में दबंगों ने घर में घुसकर मारपीट की। महिलाओं से छेड़छाड़ करने के साथ ही जानलेवा हमला किया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पीड़ित ने इस मामले में थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर जांच शुरू कर दी है। गोमती नगर विस्तार निवासी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि उनके मोहल्ले में विजय द्विवेदी, अंकुर द्विवेदी, बृजेश द्विवेदी और विक्की द्विवेदी घर बनवा रहे हैं। गुरुवार सुबह निर्माण सामग्री से लदा एक ट्रक संकरी सड़क से गुजर रहा था। इस दौरान सत्येंद्र की वृद्ध मां ने ट्रक चालक से सड़क संकरी होने के कारण सावधानी से ट्रक निकालने को कहा, जिस पर चालक से कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसके बाद मकान बनवाने वाले चारों लोग मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। विरोध करने पर सत्येंद्र के घर में घुसकर भी मारपीट की गई। वहीं की दबंगों ने पीड़ित के घर में घुसकर सत्येंद्र, उनकी मां, बहन और भाई के साथ मारपीट की।

महिला उद्यमियों के लिए टेक्नोलॉजी आधारित ट्रेनिंग प्रोग्राम,जुटीं आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाएं

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में गुरुवार को राज्य आजीविका मिशन और डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आजीविका मिशन से जुड़ी महिला उद्यमियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान महिलाओं को उद्यम विकास, तकनीकी नवाचार और उत्पादन बढ़ाने से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में मौजूद महिला उद्यमियों ने अपने-अपने अनुभव साझा किए। महिलाओं ने बताया कि आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार के नए अवसर मिले हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान महिलाओं ने उत्पादन, विपणन और संसाधनों के बेहतर उपयोग से जुड़ी अपनी चुनौतियां भी सामने रखीं। डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के सीईओ ने बताया कि उनकी संस्था प्रदेश के 10 जिलों में गवर्नमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और राज्य आजीविका मिशन के सहयोग से 'हाईजैक' कार्यक्रम के तहत काम कर रही है।

नीतीश-संजय के खिलाफ होर्डिंग वार, सपा नेता बोले महिला सम्मान का नारा खोखला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में सपा कार्यालय के पास लगी होर्डिंग। समाजवादी पार्टी के नेता द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद के खिलाफ होर्डिंग वार। यह होर्डिंग सपा कार्यालय और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद के आवास के बीच लगाई गई, इस के माध्यम से दोनों नेताओं पर तीखे शब्दों में हमला बोला गया है। पोस्टर के माध्यम से सपा नेता ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाने पर लेते हुए लिखा है नियुक्ति पत्र मांगती बच्चियां, हिजाब हटाया जा रहा। के जरिए सरकार की नीतियों और सामाजिक मुद्दों को लेकर सवाल उठाए गए हैं। पोस्टर में यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि युवतियों और अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मुद्दों पर सरकार संवेदनशील नहीं है। होर्डिंग पर लिखा संदेश नियुक्ति पत्र माँगती बच्चियाँ, हिजाब हटाया जा रहा, सत्ता के घमंड में मंत्री, मर्यादा भूले जा रहे। छुआ ही तो क्या कहकर, जुर्म को हल्का बताते हैं, नारी सम्मान पर हँसी और खुद को नेता बताते हैं। अखिलेश यादव ढाल बनकर, हर नारी के सम्मान के साथ है। होर्डिंग में इन्हीं शब्दों के साथ संजय निषाद और नीतीश कुमार पर हमला किया गया है तो वहीं अखिलेश यादव को नारी सम्मान का मसीहा बताया। सपा नेता मोहम्मद इखलाक ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा सरकार में मंत्री संजय निषाद दोनों ही महिला विरोधी हैं। यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है भारतीय जनता पार्टी की चुप्पी भी यह बताती है कि वह इन दोनों नेताओं के कृत्य और बयान का समर्थन कर रही है। सरकार के द्वारा महिला सम्मान का दिया जाने वाला नारा पूरी तरह झूठ और खोखला है हम लोग इसके खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं और यह विरोध आगे भी जारी रहेगा।

कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को उन्नत खेती के लिए प्रेरित कर रही योगी सरकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को उन्नत खेती और अधिक पैदावार के लिए प्रेरित कर रही है। झांसी के भरारी में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र गोद लिए गए दस गांव के चयनित किसानों को उन्नत खेती के लिए न सिर्फ प्रेरित कर रहा है बल्कि उन्हें निशुल्क बीज और उर्वरक भी प्रदान कर रहा है। इन किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र में आमंत्रित कर कृषि वैज्ञानिक उन्नत और अधिक पैदावार के तौर तरीकों से भी परिचित करा रहे हैं। झांसी के कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से गोद लिए गए गांव के किसानों को गेहूं की नई प्रजाति करण वंदना का बीज प्रदान किया गया है, जिसकी पैदावार परंपरागत गेहूं की तुलना में काफी अधिक होती है। सरसों की राधिका नस्ल के बीज प्रदान किए गए हैं, जिसमें शाखाएं अधिक होती हैं। इससे पैदावार अधिक होती है। फूलगोभी के भी उन्नत किस्म के तैयार पौधे प्रदान किए हैं, जिन्हें कृषि विज्ञान केंद्र में तैयार किया गया है। इन किसानों को बोरान उर्वरक भी प्रदान किया गया है, जो खेतों की उर्वर क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है। कृषि विज्ञान केंद्र झांसी के वैज्ञानिक डॉ आदित्य कुमार सिंह ने बताया कि किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र में आमंत्रित कर उन्हें बीज, पौधे और उर्वरक प्रदान किए गए हैं। इन किसानों को पैदावार बढ़ाने के तौर-तरीके प्रदान करने के साथ ही निरंतर मार्गदर्शन भी प्रदान किया जा रहा है। आधुनिक तरीकों को अपनाकर किसान खेती में पैदावार बढ़ा सकते हैं।

कोडीन-युक्त कफ सिरप की अवैध आपूर्ति में संलिप्त लोगों को बचा रही भाजपा: अखिलेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर करोड़ों रुपये के कोडीन-युक्त कफ सिरप की अवैध आपूर्ति में संलिप्त लोगों को बचाने का आरोप लगाया। यादव ने सपा विधायकों की बैठक के बाद यहां पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा के आने वाले सत्र में उठाए जाने वाले कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें कथित कोडीन और कफ सिरप रैकेट एक बड़ी चिंता का विषय था। उन्होंने आरोप लगाया, ख्कोडीन युक्त कफ सिरप को लेकर चिंता सिर्फ उत्तर प्रदेश के आम लोगों तक सीमित नहीं है। यह पूरे देश के लिए चिंता का विषय है। यह रैकेट एक प्रधान सांसद (वाराणसी) के इलाके से शुरू हुआ और इसके तार न सिर्फ पूरे देश बल्कि विदेशों तक फैले हुए हैं। यादव ने दावा किया कि जो शुरू में कुछ करोड़ रुपये का घोटाला लग रहा था, वह अब हजारों करोड़ रुपये का रैकेट बनकर सामने आ रहा है, जिसके मुख्य तार सांसद के निर्वाचन क्षेत्र से सटे जिलों से जुड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरा रैकेट उत्तर प्रदेश से चलाया जा रहा था। अधिकारियों के अनुसार, नेटवर्क से जुड़े वित्तीय लेनदेन और 'मनी ट्रेल' की जांच की जा रही है और प्रवर्तन निदेशालय भी समानांतर जांच कर रहा है। खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि कोडीन युक्त सिरप 'शेड्यूल एच' के तहत आता है और ये सिर्फ चिकित्सक के पर्चे पर लिखे होने के बाद ही बेचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि लेकिन जब बड़ी मात्रा में बिना कागजों के इसकी आपूर्ति की जाती है तो ये कानून का उल्लंघन है। अधिकारियों ने बताया कि इसका इस्तेमाल अक्सर नशीले पदार्थों के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और स्वापक औषधि एव मनरू प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत 28 जिलों में 128 प्रतिष्ठानों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के कानून प्रवर्तन दृष्टिकोण पर निशाना साधते हुए कहा कि उच्च स्तरीय मामलों में आमतौर पर बुलडोजर तेजी से तैनात किए जाते हैं लेकिन इस मामले में कार्रवाई गायब दिख रही है। उन्होंने कहा, ख्ऐसा लगता है कि सरकार के बुलडोजर का चालक भाग गया है और चाबी खो गई है। यादव ने चयनात्मक कार्रवाई का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य भर में 22 बड़ी बुलडोजर कार्रवाई में लक्षित लोगों में से अधिकांश पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वर्गों के थे। उन्होंने जांच की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाया और आरोप लगाया कि सिरप मामले की जांच के लिए बनाई गई एसटीएफ टीमों में एक ही जिले के कर्मियों का दबदबा था और वे ख्समझौताग्रस्त कर चुके थे। यादव ने अधिकारियों पर दबाव का आरोप लगाते हुए कहा कि मतदाता सूची से मनमाने ढंग से मतदाताओं के नाम काटने के निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने इस काम को 'एनआरसी' (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) करार दिया और दावा किया कि यह निर्वाचन आयोग के जरिए किया जा रहा है। सपा अध्यक्ष ने आयोग और भाजपा के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया।

फ्लिपकार्ट फाउंडेशन और हकदर्शक ने उत्तर प्रदेश में सूक्ष्म उद्यमों के लिए अपना समर्थन बढ़ाया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। फ्लिपकार्ट ग्रुप की परोपकारी कार्य करने वाली इकाई फ्लिपकार्ट फाउंडेशन ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ, वाराणसी और नोएडा जिलों में 12 महीने चलने वाली पहल के लिए हकदर्शक एम्पावरमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। इसमें नैनो उद्यमियों को जरूरी दस्तावेजों को फॉर्मलाइज करने और क्रेडिट लिंकेज तक उनकी पहुंच को सुगम बनाने पर फोकस किया जाएगा। इस प्रोग्राम को इस तरह डिजाइन किया गया है, जिससे छोटे कारोबारियों को फॉर्मल डॉक्यूमेंटेशन करने और सरकार द्वारा समर्थित फाइनेंशियल लिंकेज तक पहुंचने में मदद मिले। इससे लंबी अवधि में उनका विकास एवं स्थायित्व सुनिश्चित होगा। इस साझेदारी को लेकर फ्लिपकार्ट फाउंडेशन एवं कम्युनिकेशंस वाइस प्रेसिडेंट सारा गिडियन ने कहा, 'फ्लिपकार्ट फाउंडेशन में हमारा मानना है कि उद्यमिता को मजबूत करने की शुरुआत सूचनाओं, दस्तावेजों और लंबी अवधि में विकास के अवसरों तक पहुंच को मजबूत करने से होती है। हकदर्शक के साथ हमारी साझेदारी इसी भरोसे को दिखाती है। उद्यमियों को जमीनी स्तर पर औपचारिक अर्थव्यवस्था में कदम रखने के लिए जरूरी टूल्स एवं मार्गदर्शन प्रदान करते हुए हमारा लक्ष्य वित्तीय समावेश बढ़ाना और छोटे उद्यमियों को अपने एवं अपने समुदाय के लिए दृढ़व सुरक्षित भविष्य का निर्माण करने में मदद देना है।' हकदर्शक के सीईओ एवं सह-संस्थापक अनिकेत देवगर ने कहा, 'फ्लिपकार्ट फाउंडेशन के साथ हमारी साझेदारी के पहले चरण में हम 2,500 नैनो उद्यमियों तक पहुंचे थे और योजनाओं को लेकर उन्हें जागरूक किया तथा कारोबार को फॉर्मलाइज करने में उनका सहयोग किया। अब हम 4,235 नैनो उद्यमियों को जरूरी योजनाओं और क्रेडिट लिंकेज से जोड़ने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। इस दौरान महिला नैनो उद्यमियों को कारोबार स्थापित करने के लिए जरूरी दस्तावेज पाने में मदद पर फोकस किया जाएगा। जागरूकता के लिए लक्षित अभियानों (टार्गेटेड कैंपेन) और डोर-टु-डोर आउटरीच के माध्यम से हमारे 'हकदर्शक' विभिन्न लाभ तक उनकी सुगम पहुंच सुनिश्चित करेंगे। हम ज्यादा से ज्यादा उद्यमियों को आगे बढ़ने के लिए जरूरी संसाधन प्रदान करते हुए उन्हें सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 2030 तक 2 करोड़ सूक्ष्म उद्यमियों को सकारात्मक तरीके से प्रभावित करने के हमारे लक्ष्य की दिशा में फ्लिपकार्ट के साथ हमारी साझेदारी बहुत अहम है।' फ़ेज 1 की सफलता के बाद यह साझेदारी की गई है। फ़ेज 1 में लखनऊ एवं वाराणसी के 2,500 से ज्यादा उद्यमियों तक पहुंचने में मदद मिली थी। पिछले चरण में उद्यमियों को जरूरी दस्तावेज तैयार करने और कल्याणकारी योजनाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाया गया था। इससे वित्तीय सुरक्षा, बाजार में औपचारिक भागीदारी और विकास के अवसरों की ओर कदम बढ़ाने का आधार तैयार हुआ। आगामी चरण में इस पहल के माध्यम से वंचित वर्ग के 4,000 से ज्यादा नैनो उद्यमियों को समर्थन प्रदान किया जाएगा। इसके तहत उन्हें लक्षित सहयोग (टार्गेटेड असिस्टेंस) के माध्यम से फॉर्मल बिजनेस डॉक्यूमेंटेशन जैसे उद्यम रजिस्ट्रेशन एवं ट्रेड लाइसेंस तैयार करने और सरकार के समर्थन वाली क्रेडिट योजनाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाया जाएगा। उद्यमियों को जरूरी दस्तावेज पूरे करने में सहयोग और लंबी अवधि में स्थायित्व एवं विकास के लिए जरूरी लाभ पाने के लिए व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया जाएगा। इस साझेदारी के तहत हकदर्शक स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित एजेंट नेटवर्क के माध्यम से कम्युनिटी आउटरीच का नेतृत्व करेगी और क्रियान्वयन के कदम उठाएगी। ये सरकारी आवेदन की प्रक्रिया, प्रोग्रेस ट्रैक करने और एंड-टु-एंड सपोर्ट में सहयोग करेंगे, जिससे सुनिश्चित होगा कि उद्यमी सफलतापूर्वक उचित सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकें। इस पहल से सीधे तौर पर हजारों उद्यमियों को लाभ होगा। साथ ही अप्रत्यक्ष रूप से उनके परिवार एवं पूरे समाज को भी फायदा पहुंचेगा।

खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने से मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है: रजनी तिवारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। गुरुवार को बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय जनपदीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी ने मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा के साथ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया तथा प्रतिभागी छात्र.छात्राओं से परिचय प्राप्त करने के उपरान्त मशाल दौड़ को हरी झण्डी दिखाकर खेल प्रतियोगिता प्रारम्भ करायी। प्रतियोगिता के शुभारम्भ के अवसर पर मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों से कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने से मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि खेल टीम वर्क, सहयोग और सामूहिक प्रयास के महत्व को समझाता है और खेलों से आत्म विश्वास और नेतृत्व क्षमता में विकास होता है तथा सफल एवं असफल दोनों खिलाड़ियों को सीखने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर जिला

■ खेल टीम वर्क, सहयोग और सामुहिक प्रयास के महत्व को समझाता है: सान्या छाबड़ा

बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी तथा ब्लाकों के खण्ड शिक्षा अधिकारी व अन्य जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित रहें।

भागवत कथा में हुआ कृष्ण की बाल लीलाओं का सुंदर वर्णन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। मुन्नी महेश मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वाधान में ग्राम अन्टा वचान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास आचार्य राम शरण शास्त्री ने कृष्ण की बाल लीलाओं का मनोहारी वर्णन किया।

कथा व्यास ने बाल लीलाओं के माध्यम से बताया कि माया का पर्दा बीच से हट जाने पर ईश्वर और जीव का मिलन होता है। उन्होंने कृष्ण की बाल लीलाओं को विस्तार से समझाते हुए कहा कि कृष्ण ने मथुरा में आतंक बने कालिया नाग का मान मर्दन कर कथा सुनाई। उन्होंने देवताओं की परिक्रमा के विषय में बताया कि शास्त्रों के अनुसार देवी मां की एक, भगवान भास्कर की सात, गणेश जी की तीन, भगवान विष्णु की चार और शिव आधी परिक्रमा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान की कृपा से सूरदास ने नेत्रहीन के बाद भी कृष्ण की लीलाओं को गाया। कृष्ण भक्ति मीरा नयन बंद कर भगवान को देखती थी। उन्होंने गोवर्धन भगवान का षोडशोपचार पूजन कराकर श्रद्धालुओं से कहा कि कथा में पूजित गोवर्धन की परिक्रमा लगाने से गोवर्धन की परिक्रमा लग जाती है। उन्होंने भगवान गोवर्धन की कथा को विस्तार से सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया।

जनता के पैसे पर विदेशी पूंजी का नियंत्रण मंजूर नहीं

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लोकसभा में प्रस्तुत 'सबका बीमा सबकी सुरक्षा (बीमा कानूनों का संशोधन) विधेयक 2025' के माध्यम से बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की अनुमति देने के प्रस्ताव के खिलाफ बीमा एवं बैंक कर्मियों ने संयुक्त रूप से कड़ा विरोध दर्ज कराया।

आज गुरवार को भोजनावकाश के दौरान एलआईसी कार्यालयए आवास विकासए हरदोई परिसर में आयोजित इस संयुक्त प्रदर्शन में बीमा एवं बैंक कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया और सरकार के इस कदम को देशहित, जनहित एवं राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा के खिलाफ बताया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए बैंककर्मी नेता और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के संयोजक राकेश पाण्डेय ने कहा कि इस विधेयक का नाम भले ही जनकल्याणकारी प्रतीत होता हो, लेकिन वास्तविक उद्देश्य देश की कीमती घरेलू बचत को विदेशी पूंजी के नियंत्रण में सौंपना है। बीमा क्षेत्र में पहले से ही 74 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति हैए जबकि सरकार के अपने आंकड़ों के अनुसार इस सीमा का भी पूर्ण उपयोग नहीं हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में एफडीआई को 100 प्रतिशत तक बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है। बीमाकर्मी नेता एआईआईई, के सचिव विनय पाल ने कहा कि कर्मचारियों ने आशंका जताई कि 100% एफडीआई से विदेशी कंपनियां केवल अधिक मुनाफे वाले वर्ग पर ध्यान देंगी, जिससे आम आदमी, निम्न एवं मध्यम वर्ग तथा हाशिए पर खड़े लोगों की बीमा सुरक्षा प्रभावित होगी। साथ ही, इससे घरेलू बीमा कंपनियों, सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं और रोजगार पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। बैंक अधिकारी संगठन एबाक नेता अनूप सिंह ने कहा कि मौजूदा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, टैरिफ वॉर और पूंजी के संभावित पलायन के दौर में घरेलू बचत पर विदेशी नियंत्रण बढ़ाना देश की आर्थिक संप्रभुता के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। प्रदर्शन के माध्यम से बीमा एवं बैंक कर्मियों ने सरकार से मांग की कि बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा को 74 प्रतिशत से आगे न बढ़ाया जाए और इस विधेयक को तत्काल वापस लिया जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि सरकार ने इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार नहीं किया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। यह प्रदर्शन देशभर में आयोजित संयुक्त विरोध कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा था, जिसके अंतर्गत सभी प्रादेशिक राजधानियों, जिला मुख्यालयों एवं कस्बों में विरोध दर्ज कराया गया।

■ एलआईसी कार्यालय, आवास विकास, हरदोई में भोजनावकाश के दौरान जोरदार विरोध

विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से पवन मिश्रा, संचित श्रीवास्तव, आशीष शर्मा, आदित्य कुमार, अनीता सिंह, कंचन गुप्ता, सुनील, सुरेश कुमार, धर्मेन्द्र, विनय कुमार शामिल रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत-मंसूरपुर, विकास खण्ड-साण्डी, जनपद हरदोई

पत्रांक- मेमो/राज्य वित्त/2025-26 दिनाँक-18.12.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत-मंसूरपुर, विकास खण्ड-साण्डी, हरदोई द्वारा राज्य वित्त से कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्यो की सामग्री (सीमेण्ट, मौरंग, बालू, पत्थर गिट्टी, रोड़ा, इण्टरलाकिंग ईट आदि) आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनाँक-19.12.2025 से 25.12.2025 को 03:00 बजे तक प्राप्त कर जमा कर सकते है। प्राप्त निविदाएं दिनाँक-25.12.2025 को समिति द्वारा सायं 04:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी।

क्रं0सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	बुद्धा के मकान से विजेन्दर के मकान तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य।	700000.00
2	विजेन्दर के मकान से अशोक के मकान तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य।	500000.00
3	बालमुकुंद के मकान से डामर तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य।	500000.00

नोट-

1- निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त हुयी किसी निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
2- निविदा फार्म पर किसी प्रकार की कटिंग मान्य नही होगी।
3- बिना बताये किसी निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4- निविदा फार्म पर उल्लेखित साफ शब्दों में अंकित करें।
5- धन की उपलब्धता पर कार्य कराया जायेगा।
6- कार्यो की कटौती प्रावधान/ लागू दरों की कटौती नियमानुसार की जायेगी।
7- प्राविधारित कार्यो की मा्त्रा आवश्यकतानुसार घटाई/बढ़ाई जा सकती है।

(हरिश्चन्द्र)
प्रधान
ग्राम पंचायत- मंसूरपुर,
विकास खण्ड-साण्डी, हरदोई

(राजेश मिश्रा)
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत- मंसूरपुर,
विकास खण्ड-साण्डी, हरदोई

स्टार सन्दर्भों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाये: डीएम

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा

की अध्यक्षता में 11 नवंबर 2025 से 10 दिसंबर 2025 तक के स्टार संदर्भों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्वयं आख्या का अवलोकन किया और शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता परखी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता युक्त व पूरे ध्यान से किया जाए तथा जाँचकर्ता अधिकारी मौके पर अवश्य जाए तथा शिकायतकर्ता से संपर्क करे। स्टार सन्दर्भों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाये। भूमि विवाद के निस्तारण के लिए धारा 116 के मामलों को तेजी से निपटाया जाये। चकरोड की पैमाइश के प्रकरण लंबित न रखे जाएं। कुछ लंबित प्रकरणों पर नाराजगी भी व्यक्त की तथा कहां की निर्धारित समय अवधि में शिकायत का निस्तारण अनिवार्य रूप से किया जाए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विवरा प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार, समस्त उप जिलाधिकारी एई डिस्टिक मैनेजर देवेश सिंह, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम वअन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

■ जिलाधिकारी ने की स्टार सन्दर्भों की समीक्षा

शोज़ैब ज़ैदी को ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल होने पर बधाई

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कस्बा के लिए यह गर्व का विषय है कि यहाँ के निवासी शोज़ैब ज़ैदी को इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने अपनी नियुक्ति पर ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के जर्नल सेक्रेटरी मौलाना यासूब अब्बास और बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना साइम मेहदी नक़वी का आभार व्यक्त किया है। शोज़ैब ज़ैदी ने कहा कि वह अपने पद का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता के साथ करेंगे और समाज में आपसी भाईचारे, क़ौमी एकता और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने पिहानी व आसपास के क्षेत्रों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर बोर्ड के समक्ष रखने का आश्वासन दिया है। पिहानी कस्बे के गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों और युवाओं ने शोज़ैब ज़ैदी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

सड़क हादसे में घायल बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत रैसों चौराहे के पास मोटरसाइकिल सवार ने एक बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मार दी जिससे बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया! जिसे बेहतर इलाज के लिए उसे हरदोई ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई! प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली कछौना के अंतर्गत गाँव कोड़री मजरा लोन्हरा रामबक्श पुत्र स्वण् विक्रम बुधवार को रैसों चौराहे पर दवा लेने गया था जहां सड़क के किनारे चलते समय बाइक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी! जिससे वह गंभीर अवस्था में घायल हो गया! लोगों की सूचना पर उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का कछौना लाया गया जहाँ स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल हरदोई रेफर किया गया! जहां बुधवार देर रात इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई! मृत्यु की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है! मृतक के भाई चेतराम ने बताया कि उसका भाई रामबक्श दवा लेने रैसों गया था! मृतक का एक विकलांग पुत्र है व उसकी पत्नी की कुछ समय पहले ही मृत्यु हो चुकी है! मृतक रेलवे का सेवानिवृत कर्मचारी था जिस पर परिवार के भरण पोषण की जिम्मेदारी थी! प्रभारी निरीक्षक कछौना निर्भय सिंह ने बताया कि वाहन को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही की जा रही है!

मृतक रामबक्श की फ़ाइल फोटो

चलते ऑटो में लगी आग, बाल-बाल बचे चालक व मालिक

हरियावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के बिलहरी-मदरावां मार्ग पर बुधवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सवारी ढो रहा एक सीएनजी ऑटो अचानक आग की चपेट में आ गया। जानकारी के अनुसार सूरज तिवारी पुत्र उमाकांत तिवारी निवासी मदरावा थाना हरियावां का ऑटो, जिसे चालक सनोज कुमार चला रहा था, रोज़ की तरह सवारियां छोड़कर अपने घर शाम करीब 6 बजे जब ऑटो बिलहरी से मदरावां रोड पर कुछ दूरी तय कर बरम देव स्थान के पास पहुंचा, तभी अचानक ऑटो से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते उसमें आग लग गई। स्थिति भांपते ही चालक सनोज कुमार व सीएनजी ऑटो मालिक सूरज तिवारी ने सूझबूझ दिखाते हुए ऑटो को सड़क किनारे रोका और तुरंत कूदकर अपनी जान बचाई। घटना के समय ऑटो में मालिक और चालक के अलावा कोई नहीं था दोनों लोग सुरक्षित बाहर निकल आए, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग इतनी भीषण थी कि ऑटो पूरी तरह जलकर खाक हो गया। बताया गया कि यह सीएनजी ऑटो UP30 CT 9765 करीब एक वर्ष पूर्व ही नया खरीदा गया था, जिससे मालिक को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही मौके पर डायल 112 पुलिस टीम और दमकल कर्मियों के साथ फायर ब्रिगेड पहुंची, जिनके काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका। यह घटना हरदोई क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

जिलाधिकारी ने किया रैन बसेरों का निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विगत दिवस देर रात शीतलहर के मद्देनजर मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार बुधवार देर रात जिलाधिकारी अनुनय झा ने जनपद में बने विभिन्न रैन बसेरों एवं अलाव केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने वहाँ उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा रैन बसेरों में ठहरने वाले लोगों से भी बातचीत कर उनकी समस्याएँ जानीं सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने रेलवे गंज ईस्ट में बने रैन बसेरे को देखा तथा वह मौजूद लोगों से बात की इसके बाद रेलवे स्टेशन पहुंचकर यात्रियों से वार्ता कर रैन बसेरे में मिल रहे इंतजामों के बारे में जानकारी लेते हुए रैन बसेरे में रुक यात्रियों को कंबल वितरित करते हुए अलाव व्यवस्था भी देखी तथा अधिकारियों को निर्देश दिए की अलाव जलते रहे इसके बाद जिलाधिकारी नगर पालिका परिसर में बने रैन बसेरे को देखने पहुंचे। यहाँ उन्होंने रुके हुए लोगों से बात चीत की। यहाँ उन्होंने निर्देश दिए कि बीमार यात्रियों को तत्काल दवा उपलब्ध करायी जाये। साफ-सफाई में किसी भी प्रकार की कोताही न की जाये। यहाँ से निकलकर बस अड्डे पर बने रैन बसेरे पहुंचे जहां पर जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण कर अलाव व्यवस्था को देखते हुए शीत लहर से बचाव हेतु अलाव जलते रहे इसके लिए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए जिलाधिकारी ने कहा कि अलाव को उपयुक्त स्थान पर जलाया जाये। रैन बसेरे का केयर टेकर प्रतिदिन रात में बस अड्डे पर सोने वाले लोगों को रैन बसेरे के बारे में बताये। उन्होंने बस अड्डे के कर्मचारियों को भी ध्यान रखने को कहा।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी उप जिलाधिकारी सदर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, सीओ सिटी व प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम आदि उपस्थित रहे।

जनपद स्तरीय भाषण एवं एकल काव्यपाठ प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदोई के आडिटोरियम में भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी की जन्मशताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर जनपद स्तरीय भाषण एवं एकल काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आरम्भ प्राचार्य डॉ0 जय भगवान सिंह, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ0 प्रवेश कुमार द्वारा अटल बिहारी बाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ आरम्भ किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ0 जय भगवान सिंह ने अटल बिहारी बाजपेयी के सुशासन के प्रमुख बिन्दुओं को रेखांकित किया एवं उनकी काव्यगत विशिष्टताओं पर विस्तृत चर्चा की। स्नातक एवं परास्नातक छात्र-छात्राओं को भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी की उपलब्धियों से परिचित कराने हेतु सुशासन के महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में प्रो0 सरिता यादव (आर्य कन्या महाविद्यालय, हरदोई), डॉ0 प्रवीन कुमार वर्मा (महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदोई), डॉ0 शिखा पाण्डेय (सी0एस0एन0 पी0जी0 कालेज, हरदोई) ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया। युवा छात्र-छात्राओं के मध्य भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के जीवन एवं उनकी प्रमुख कविताओं पर आधारित एकल काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें निर्णायक के रूप में डॉ0 दिलप्रीत कौर (महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालयए हरदोई), डॉ0 दीपक राय (सी0एस0एन0 पी0जी0 कालेज, हरदोई), श्री रामउग्र गोस्वामी (सी0एस0एन0 पी0जी0 कालेज, हरदोई) ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया। बी0एड0 विभाग की प्राध्यापिका डॉ0 नमिता त्रिपाठी एवं डॉ0 सुधीर सिंह ने प्रतियोगिताओं का संचालन किया एवं कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न कराया। महाविद्यालय के समारोहक डॉ0 अजित आनन्दमणि ने परिणामों की घोषणा की गई।

पार्टी की एकजुटता से ही विकास के सपने साकार होंगे: कमलेश मिश्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई की बैठक क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कीए बैठक में केंद्र और प्रदेश संगठन के आगामी कार्यक्रमों को जिले में प्रभावी ढंग से कार्यान्वित करने की रूपरेखा तय की गई।

जिला बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष का मुख्य फोकस एसआईआर की बूथवार समीक्षा पर रहा। कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए कि 18 वर्ष पूर्ण कर चुकी नई पीढ़ी के मतदाताओं का वोट बनवाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। जिले के हर बूथ पर मतदाता सूची की समीक्षा कर, कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि कोई भी वोटर फॉर्म भरने से छूट न जाए। साथ ही मृत और स्थानांतरित मतदाताओं के साथ फर्जी वोटरों के नाम लिस्ट से हटवाने पर विशेष ध्यान रखें। बैठक में कहा कि चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया देश के लोकतंत्र को मजबूत कर रही है। क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र की बैठक में केंद्र और प्रदेश संगठन से जारी होने वाले आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा कर कार्ययोजना तैयार की गई। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को कहा कि संगठन जिस उद्देश्य के साथ बना वह अभी साकार नहीं हुए है। अभी हमें अपनी विचारधारा व प्रतिबद्धता को सर्वव्यापी व सर्वस्पर्शी बनाने के लिए और अथक परिश्रम करना है। इसलिए तपए तपस्या और त्याग जीवन का मूलमंत्र होना चाहिए। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश जातिवादए क्षेत्रवाद व परिवारवाद से हटकर राष्ट्रवाद के पथ पर बढ़ रहा है। इसके अलावा, शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव 2026 की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि बौद्धिक वर्ग को लक्षित कर संगठनात्मक गतिविधियां तेज की जाएंगी। जागरूकता अभियान और बूथ स्तर पर प्रचार पर रणनीति बनी। भाजपा का मानना है कि यह चुनाव शिक्षा और बौद्धिक समाज के उत्थान का अवसर है, जो समृद्ध भारत के संकल्प को मजबूत करेगा। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि पार्टी की एकजुटता से ही विकास के सपने साकार होंगे। हरदोई का संगठन देश में एक आदर्श संगठन के रूप में स्थापित हो रहा हैए इसका मुख्य कारण आप सभी कार्यकर्ताओं की लगनए मेहनत व निष्ठा ही है। इस आदर्श संगठन को और आगे ले जाने की जिम्मेदारी हम सभी कार्यकर्ताओं की है। हमें पार्टी संगठन की अच्छी परंपरा को कैसे आगे बढ़ाना है] इसको लेकर भी कार्य करना है। परस्पर संवाद करने से कार्यकर्ताओं में एक अच्छा संदेश पहुंचेगा और उनके जरिए जनता की सेवा करने का अवसर भी प्राप्त होगा। हमें अपने कार्यों और भाजपा सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों को जन.जन तक पहुंचाकर संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करनी है। जिस संगठन में आंतरिक अनुशासन जितना अच्छा होता हैए वह संगठन उतना ही आगे जाता हैए इसलिए हमें इन बातों का भी ध्यान रखना है। भाजपा जिला इकाई आगामी कार्यक्रमों को सफ्ल बनाने के लिए कटिबद्ध है। संचालन महामंत्री अनुराग मिश्र ने किया।

प्रारूप संख्या-3

धारा-144बी.एन.एस.एस.
तारीख पेशी- 20.12.2025

न्यायालय श्रीमान् न्यायाधिकारी महोदय ग्राम न्यायालय सण्डीला हरदोई

याचिका संख्या-151/2025 वर्ष 2025
याची- 1. श्रीमती रूबीना पत्नी मेंहदी पुत्री अमीर खान,
निवासिनी- ग्राम सर्वे थाना कासिमपुर, जिला-हरदोई।
.... प्रार्थीगण

बनाम

प्रत्युत्तरदाता......................................
1. अमीर खान पुत्र खलील, निवासी- ग्राम नेवादा, थाना बेहटा मुजावर जिला-उन्नाव।
.... विपक्षी

महोदय,

चूँकि उक्त नामित याची ने आपके विरूद्ध याचिका संस्थित किया है। जैसा कि याचिका में वर्णित है। आपके एतद् द्वारा इस न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर आप पर इस समन की तामीली से तीन सप्ताह के भीतर न्यायालय की अनुमति से वकालतनामा दाखिल करने की अपेक्षा की जाती है।

और चूँकि वाद 20.12.2025 के दिन को न्यायाधीश के समक्ष निर्देश के लिए रखा जाएगा,

इसलिए आपको एतद्द्वारा 20.12.2025 के............................... दिन दोपहर से पूर्व 11:00 बजे याची के दावा का उत्तर देने के लिए न्यायाधीश के समक्ष उपस्थित के लिए समन किया जाता है और

यह और सूचना ग्रहण कीजिए कि यदि आप अपनी व्यक्तिगत उपस्थित या वकालतनामा में असफल जैसा कि ऊपर निर्देश00 दिया गया है या यदि आप पूर्व वर्णित दिन को न्यायाधीश के समक्ष उपस्थित रहने में असफल रहते है तो याचिका को उस दिन किसी पश्चात्वर्ती दिन को अप्रतिरक्षित रूप में अमान्य किये जाने का आदेश दिया जा सकता है। और आप अपने विरूद्ध डिक्री या आदेश पारित किये जाने के लिए दायी होंगे।

यह ....201........................के..........................दिन को पूर्वोक्त..................
प्रमुख न्यायाधीश से...................................लिखा गया।
मुहर

ग्राम न्यायालय तहसील सण्डीला
जिला-हरदोई।

अमीरी दे गरीब को त्रास

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली घातक पर्यावरण संकट झेल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट के निदान के लिये जो उपाय लागू किए जा रहे हैं, उसका खमियाजा गरीबों को झेलना पड़ रहा है। इस संकट की संवेदनशीलता को महसूस करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवन शैली से उपजी मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। दरअसल, बिगड़ते प्रदूषण संकट के बाबत दायर याचिकाओं को आज सुनवाई के लिये सूचीबद्ध करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। कोर्ट ने भरोसा दिलाया कि वह इस बाबत प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगा।

बिगड़ते प्रदूषण संकट के बाबत दायर याचिकाओं को आज सुनवाई के लिये सूचीबद्ध करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। कोर्ट ने भरोसा दिलाया कि वह इस बाबत प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने वरिष्ठ वकील और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए ये टिप्पणी की थी।

दरअसल, मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने वरिष्ठ वकील और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए ये टिप्पणी की थी। अदालत का कहना था कि दिल्ली एनसीआर में ग्रेप-4 लागू करने के चलते जो पाबंदियां लागू की गई हैं, उनका सबसे ज्यादा नुकसान गरीब लोगों को हो रहा है। इससे निर्माण कार्य बंद होने से हजारों गरीब मजदूरों का चूल्हा नहीं जल सकेगा। मुख्य न्यायाधीश ने इस बाबत कहा कि संपन्न लोगों को अपनी जीवन शैली में बदलाव लाना चाहिए। साथ ही कहा कि हमें समस्या का पता है और इसलिए हम ऐसे आदेश पारित करेंगे, जिनका पालन किया जा सकेगा। कहा कि कुछ निर्देश ऐसे भी हैं, जिन्हें बलपूर्वक लागू किया जा सकता है। जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश-पर्यावरण साफ-सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर-गरीब पर समान असर पड़ता है। निस्संदेह, देश की शीर्ष अदालत ने देश व समाज की दुखती रग पर ही हाथ रखा है। महानगरों में अमीर तबके की विलासिता के चलते ही पर्यावरण व अन्य संकटों को बढ़ावा मिलता है। महानगरों में लगातार सड़कों का विस्तारीकरण, नए हाइवे निर्माण व ओवर ब्रिज निर्माण के बावजूद जाम व प्रदूषण का संकट कम नहीं हो रहा है। दरअसल, हमने अपनी सुख-सुविधाओं को प्राथमिकता दी है, लेकिन व्यापक सामाजिक हितों की अनदेखी की है। आमतौर पर एक अकेले व्यक्ति के लिये कारें सड़कों पर दौड़ती रहती हैं। जो न केवल सड़कों में ज्यादा जगह घेरती हैं, बल्कि ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करके प्रदूषण को भी बढ़ावा देती हैं। यही वजह है कि आम आदमी सरकार ने अपने कार्यकाल में ऑड-इवन प्रणाली शुरू करने को प्राथमिकता दी थी ताकि सड़कों पर कारों का सैलाब कम किया जा सके। तब बात उठी थी कि एक दिशा में और एक ऑफिस की तरफ जाने वाले लोग कार शेयर करके चलें। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है, वहीं बाहर का तापमान व कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा है। इसी तरह तमाम अमीरों द्वारा संचालित उद्योगों में उन उपायों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया जो पर्यावरण में प्रदूषण कम करने में सहायक होते हैं। विडंबना यह है कि महानगरों व अन्य शहरों में जहां कुछ इलाकों में पेयजल का संकट बना रहता है, वहीं दूसरे पॉश इलाकों मे लॉन सींचने, कार धोने और स्वीमिंग पूलों के लिये पर्याप्त पानी उपलब्ध रहता है। अकसर कहा जाता है कि कुदरत ने हर व्यक्ति के लिए हवा, पानी व भोजन उपलब्ध कराया है, लेकिन इनके असमान वितरण व अमीरी के दखल के चलते, गरीब के साथ न्याय नहीं हो पाता है। अमीर होना बुरा नहीं है लेकिन उसकी अमीरी की कीमत गरीब को न चुकानी पड़े।

काकोरी कांड: आजादी के संघर्ष का अमर अध्याय

काकोरी शहीद दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन ने देश में जन-जागरण की लहर पैदा की थी। साल 1920 में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए गंभीर चुनौती बन गया था लेकिन फरवरी 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद गांधीजी द्वारा आंदोलन वापस लिए जाने से देश के एक बड़े वर्ग, विशेषकर युवा क्रांतिकारियों में गहरी निराशा फैल गई। वे मानते थे कि जब अंग्रेज दमन और हिंसा का सहारा ले रहे हैं तब केवल अहिंसा के माध्यम से आजादी पाना कठिन है।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, प्रस्तावों और समझौतों का क्रम नहीं है बल्कि यह उन असंख्य क्रांतिकारियों की त्यागमयी गाथा भी है, जिन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन बलिदानों ने गुलामी की जड़ों को भीतर से हिलाया और जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि अंग्रेजी हुकूमत अजेय नहीं है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक और निर्णायक घटना है काकोरी कांड, जिसने न केवल ब्रिटिश सत्ता को गहरी चुनौती दी बल्कि भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। काकोरी कंाड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कंाड में शामिल क्रांतिकारी केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माने जाते हैं। उनकी शहादत की स्मृति में हर वर्ष 19 दिसम्बर को काकोरी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो हमें स्वतंत्रता की कीमत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का बोध कराता है। बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन ने देश में जन-जागरण की लहर पैदा की थी। साल 1920 में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए गंभीर चुनौती बन गया था लेकिन फरवरी 1922 में चौरी-चौरा कंाड के बाद गांधीजी द्वारा आंदोलन वापस लिए जाने से देश के एक बड़े वर्ग, विशेषकर युवा क्रांतिकारियों में गहरी निराशा फैल गई। वे मानते थे कि जब अंग्रेज दमन और हिंसा का सहारा ले रहे हैं तब केवल अहिंसा के माध्यम से आजादी पाना कठिन है। यही वह ऐतिहासिक मोड़ था, जहां से संगठित क्रांतिकारी आंदोलन ने नई दिशा पकड़ी। निराश लेकिन दृढ़ निश्चयी युवाओं ने यह ठान लिया कि वे किसी भी कीमत पर स्वतंत्रता के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। इसी सोच के परिणामस्वरूप साल 1923 में शचीन्द्रनाथ सान्याल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) की स्थापना हुई। इस संगठन का उद्देश्य केवल ब्रिटिश शासन का विरोध करना नहीं बल्कि एक ऐसे स्वतंत्र, गणराज्यात्मक भारत की स्थापना करना था, जहां शोषण और अन्याय का कोई स्थान न हो। एचआरए के प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, योगेशचंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ बख्शी जैसे साहसी क्रांतिकारी शामिल थे। बाद में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे तेजस्वी क्रांतिकारी भी इस विचारधारा से जुड़े। संगठन का स्पष्ट मत था कि क्रांति के लिए संसाधन चाहिए और संसाधनों के लिए धन। लेकिन चंदा मांगना न केवल संगठन की गोपनीयता को खतरे में डाल सकता था बल्कि अंग्रेजी खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर सकता था। ऐसे में निर्णय लिया गया कि ब्रिटिश सरकार के ही खजाने को निशाना बनाया जाए। इस विचार को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी संगठन के सेनापति रामप्रसाद बिस्मिल को सौंपी गई। प्रारंभिक प्रयासों में क्रांतिकारियों ने कुछ धन जुटाने की कोशिश की लेकिन वह हथियारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं था। अंततः यह निर्णय लिया गया कि सीधे सरकारी खजाने पर हाथ डाला जाए। यह फैसला न केवल साहसिक था बल्कि अत्यंत जोखिम भरा भी क्योंकि असफलता की स्थिति में इसका परिणाम मृत्यु या आजीवन कारावास हो सकता था। 8 अगस्त 1925 को बिस्मिल के घर गुप्त बैठक हुई, जिसमें ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की विस्तृत योजना बनाई गई। अगले ही दिन 9 अगस्त 1925 को एचआरए के 10 क्रांतिकारी सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए। इनमें रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र लाहिड़ी, शचीन्द्रनाथ बख्शी, मन्मथनाथ गुप्त, मुरारी शर्मा, बनवारी लाल, केशव चक्रवर्ती और मुकुंदी लाल शामिल थे। लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चेन खींच कर उसे रोका गया। योजना के अनुसार, राजेंद्र लाहिड़ी ने नेतृत्व संभाला और कुछ ही क्षणों में सरकारी खजाने को कब्जे में ले लिया गया। यह कार्रवाई इतनी सुनियोजित थी कि यात्रियों को अधिक नुकसान नहीं हुआ। हालांकि दुर्भाग्यवश एक आकस्मिक गोली चलने से एक यात्री की मृत्यु हो गई, जिसे बाद में ब्रिटिश सरकार ने पूरे मामले को और अधिक संगीन बनाने के लिए प्रमुख आधार बनाया। इस लूट में कुल 4601 रुपये प्राप्त हुए जो उस समय एक बड़ी राशि थी। अगले ही दिन यह खबर अखबारों के माध्यम से पूरे देश और विदेश में फैल गई। लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स तक में इस घटना की चर्चा हुई। ब्रिटिश सरकार हिल गई और उसने इसे अपनी सत्ता के लिए खुली चुनौती माना। इसके बाद जो दमनचक्र चला, वह भारतीय इतिहास के सबसे कठोर अभियानों में से एक था। ब्रिटिश सरकार ने एचआरए के लगभग 40 क्रांतिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाया। लंबी सुनवाई और कठोर पूछताछ के बाद अंग्रेजी अदालत ने 4 क्रांतिकारियों को फांसी की सजा सुनाई। राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को 17 दिसम्बर 1927 को गोंडा जेल में फांसी दी गई। इसके दो दिन बाद 19 दिसम्बर 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान और रोशन सिंह को अलग-अलग जेलों में फांसी दे दी गई। इन फांसियों ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। हिंदू-मुस्लिम एकता की अद्भुत मिसाल बने बिस्मिल और अशफाक की मित्रता ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता संग्राम किसी एक धर्म या समुदाय का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का संघर्ष था। उनकी शहादत ने असहयोग आंदोलन के बाद ठहर गई क्रांतिकारी चेतना को फिर से प्रज्वलित कर दिया। काकोरी कंाड का सबसे अनछुआ पहलू यह है कि यह केवल धन लूट की घटना नहीं थी बल्कि यह एक वैचारिक विद्रोह था, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन की नैतिक वैधता को चुनौती देना और यह संदेश देना था कि भारत अब दासता स्वीकार नहीं करेगा। इस घटना ने आगे चलकर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और सुभाषचंद्र बोस जैसे नेताओं को भी गहराई से प्रभावित किया। आज, जब हम काकोरी शहीद दिवस मनाते हैं तो यह केवल अतीत को स्मरण करने का अवसर नहीं है बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा लेने का दिन है। काकोरी के शूरवीरों ने हमें सिखाया कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं बल्कि कर्त्तव्य भी है उसकी रक्षा का, उसकी गरिमा बनाए रखने का। काकोरी कंाड के शहीदों का बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा। उनका साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों को याद दिलाता रहेगा कि भारत को आजादी यूं ही नहीं मिली बल्कि इसके पीछे अनगिनत वीरों का लहू बहा है। भारत आज भी उनका ऋणी है और सदैव रहेगा।

पौष अमावस्या का आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व

विजय कुमार शर्मा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पौष अमावस्या के दिन वातावरण में सूक्ष्म नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव अधिक हो जाता है, जिससे मन, विचार और व्यवहार पर उसका असर पड़ सकता है। इसी कारण इस दिन संयम, साधना, पूजा, दान और पितरों के स्मरण को अत्यधिक महत्व दिया गया है। पौष अमावस्या व्यक्ति को आत्मचिंतन का अवसर देती है और जीवन को सही दिशा में ले जाने की प्रेरणा प्रदान करती है। पौष अमावस्या का गहरा संबंध पितृलोक से जुड़ा हुआ माना जाता है। इस दिन श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने से मृत पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है और उनका आशीर्वाद परिवार पर बना रहता है।

हिंदू सनातन परंपरा में पौष अमावस्या का विशेष स्थान माना गया है। यह तिथि केवल पंचांग का एक दिन नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, पितृ तृप्ति और नकारात्मक शक्तियों से संरक्षण का महत्वपूर्ण अवसर मानी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पौष अमावस्या के दिन वातावरण में सूक्ष्म नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव अधिक हो जाता है, जिससे मन, विचार और व्यवहार पर उसका असर पड़ सकता है। इसी कारण इस दिन संयम, साधना, पूजा, दान और पितरों के स्मरण को अत्यधिक महत्व दिया गया है। पौष अमावस्या व्यक्ति को आत्मचिंतन का अवसर देती है और जीवन को सही दिशा में ले जाने की प्रेरणा प्रदान करती है। पौष अमावस्या का गहरा संबंध पितृलोक से जुड़ा हुआ माना जाता है। इस दिन श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने से मृत पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है और उनका आशीर्वाद परिवार पर बना रहता है। शास्त्रों में कहा गया है कि जब पितृ संतुष्ट होते हैं, तब परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। जो लोग नियमित रूप से पौष अमावस्या पर पितरों का स्मरण करते हैं, उनके जीवन में आने वाली बाधाएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं और मानसिक तनाव से भी राहत मिलती है। यह दिन हमें अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके योगदान को स्मरण करने का अवसर देता है। धार्मिक दृष्टि से पौष अमावस्या दान पुण्य के लिए अत्यंत शुभ मानी गई है। इस दिन वस्त्र, अन्न और भोजन का दान करने से पुण्य की विशेष प्राप्ति होती है। मान्यता है कि बृहस्पति, शनि, राहु और केतु जैसे ग्रहों के अशुभ प्रभाव इस दिन किए गए दान से काफी हद तक शांत हो जाते हैं। विशेष रूप से निर्धनों, असहायों, वृद्धों और साधु संतों को दान देने से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। पौष अमावस्या का दान केवल धार्मिक कर्म नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है, जो समाज में करुणा और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। लोक मान्यताओं में यह भी कहा गया है कि पौष अमावस्या के दिन खिचड़ी का भंडारा करने से नकारात्मक शक्तियों और बुरी आत्माओं का प्रभाव समाप्त हो जाता है। खिचड़ी सात्विक भोजन माना जाता है, जो शरीर और मन दोनों के लिए शुद्ध होता है। इस दिन सामूहिक रूप से भोजन वितरण करने से समाज में समरसता बढ़ती है और सेवा भाव का विकास होता है। यह माना जाता है कि इस प्रकार के सेवा कार्य से परिवार और घर पर सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और अनिष्ट शक्तियों का प्रवेश नहीं होता। पौष अमावस्या के दिन कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना भी आवश्यक बताया गया है। इस दिन क्रोध, बैर, द्वेष और ईर्ष्या जैसे नकारात्मक भावों से दूर रहना चाहिए। शास्त्रों में कहा गया है कि अमावस्या के दिन मन अत्यंत संवेदनशील होता है, इसलिए नकारात्मक विचार शीघ्र प्रभाव डाल सकते हैं। ईश्वर का स्मरण करना, शांत मन से ध्यान करना और अच्छे विचारों में तल्लीन रहना इस दिन विशेष फलदायी माना गया है। साथ ही अपने पितरों को भूलना इस दिन अशुभ माना जाता है, इसलिए उनका स्मरण और सम्मान करना आवश्यक समझा गया है। ज्योतिषीय दृष्टि से भी पौष अमावस्या का महत्व बहुत अधिक है। मान्यता है कि इस दिन विधिपूर्वक पूजा उपासना और व्रत करने से शनि की साढ़े साती, ढैया और अन्य ग्रह दोषों का प्रभाव कम किया जा सकता है। जिन जातकों के जीवन में लंबे समय से समस्याएं चल रही होती हैं, उनके लिए यह तिथि विशेष लाभकारी मानी जाती है। श्रद्धा और नियमपूर्वक किए गए कर्म व्यक्ति को कालसर्प दोष और बृहस्पति दोष जैसी बाधाओं से भी काफी हद तक सुरक्षित रखते हैं। इसी कारण ज्योतिषाचार्य पौष अमावस्या को ग्रह शांति के लिए अत्यंत प्रभावशाली मानते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार पौष माह को पुष्य मास भी कहा जाता है। यह वर्ष का ऐसा समय माना जाता है जब देवताओं की पूजा और पितरों के लिए अनुष्ठान करना विशेष फलदायी होता है। पौष अमावस्या इस मास की सबसे महत्वपूर्ण तिथि मानी जाती है। इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा का भी विशेष महत्व है। पौष माह को सौभाग्य लक्ष्मी मास के रूप में भी जाना जाता है। लक्ष्मी पूजा से धन, वैभव और स्थायित्व की प्राप्ति की कामना की जाती है। मान्यता है कि पौष अमावस्या की पूर्व संध्या और अमावस्या की बेला में देवी लक्ष्मी के विभिन्न स्वरूपों की पूजा करने से भक्त को विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है। इससे आर्थिक समस्याओं में राहत मिलती है और जीवन में समृद्धि का वास होता है। पूजा के उपरांत अन्न और वस्त्र का दान करने से पुण्य कई गुना बढ़ जाता है। अनेक श्रद्धालु इस दिन व्रत भी रखते हैं, जिससे आत्मसंयम और मानसिक दृढ़ता का विकास होता है। व्रत के माध्यम से व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों पर नियंत्रण करना सीखता है, जो आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। पौष अमावस्या हमें यह भी सिखाती है कि जीवन केवल भौतिक सुखों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसमें आध्यात्मिक संतुलन भी आवश्यक है। दान, सेवा, संयम और श्रद्धा के माध्यम से ही जीवन में वास्तविक शांति प्राप्त की जा सकती है। इस दिन किए गए सत्कर्म व्यक्ति को आत्मिक बल प्रदान करते हैं और नकारात्मक प्रभावों से रक्षा करते हैं। सार रूप में कहा जा सकता है कि पौष अमावस्या आत्मशुद्धि, पितृ सम्मान और सामाजिक चेतना का पर्व है। इस दिन तिल दान, वस्त्र दान, अन्न दान, पिंडदान और तर्पण करके पितरों का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है। पितरों की कृपा से जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि बनी रहती है। यह पावन तिथि हमें अपने कर्तव्यों की याद दिलाती है और यह संदेश देती है कि करुणा, संयम और श्रद्धा से ही जीवन को सफल और सार्थक बनाया जा सकता है।

अमीरी की जीवनशैली, प्रदूषण का बोझ और गरीब की त्रासदी

ललित गर्ग

वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है।

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली आज जिस घातक पर्यावरण संकट से गुजर रही है, वह केवल एक शहर की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के लिये चेतावनी है। विडंबना यह है कि इस संकट के नाम पर जो तात्कालिक उपाय लागू किए जाते हैं, उनका सबसे बड़ा खामियाजा वही तबका भुगतता है, जिसकी इसमें सबसे कम भूमिका होती है-गरीब और श्रमिक वर्ग। इसी पीड़ा को शब्द देते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवनशैली से पैदा हुई मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। यह टिप्पणी न केवल कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और नैतिक चेतना को झकझोरने वाली भी है। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। वरिष्ठ अधिवक्ता और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए अदालत ने स्पष्ट कहा कि ग्रैप-4 जैसी सख्त पाबंदियों का सबसे ज्यादा असर गरीबों पर पड़ता है। निर्माण कार्य रुकते हैं, दिहाड़ी मजदूरों की रोजी-रोटी ठप हो जाती है, जबकि प्रदूषण पैदा करने वाली जीवनशैली में शामिल संपन्न तबके पर अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ता। मुख्य न्यायाधीश ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या की जड़ अमीरों की जीवनशैली है और समाधान भी वहीं से शुरू होना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अदालत ऐसे प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगी, जिन्हें जरूरत पड़ने पर सख्ती से लागू भी किया जा सकेगा। जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश-पर्यावरण साफ-सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा, अपने जीवन को पर्यावरण के अनुकूल ढालना होगा एवं प्रकृति-एवं पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रवैया अपना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर-गरीब पर समान असर पड़ता है फिर भी अमीर लोग इससे बेपरवाह रहते हैं। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने समाज की दुखती रग पर हाथ रखा है। चौड़ी होती सड़कें, नए फ्लाईओवर और हाईवे बनने के बावजूद जाम और प्रदूषण कम नहीं हो रहे। कारण साफ है निजी वाहनों का बेहिसाब इस्तेमाल। एक व्यक्ति, एक कार का चलन न केवल सड़क की जगह घेरता है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कई गुना बढ़ाता है। कभी ऑड-इवन जैसी योजनाओं पर चर्चा हुई, कार-पूलिंग की बात चली, लेकिन सार्वजनिक परिवहन को सस्ता, सुगम और भरोसेमंद बनाने की इच्छाशक्ति लगातार कमजोर रही। आज एसी, कूलर और अन्य वातानुकूलन साधनों का बढ़ता उपयोग भी पर्यावरण संकट को गहराता जा रहा है। इससे बिजली की खपत बढ़ती है, तापमान में वृद्धि होती है और अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण का दायरा फैलता है। उद्योगों में भी पर्यावरणीय नियमों का ईमानदार पालन नहीं होता। जल संकट इसका एक और क्रूर उदाहरण है-जहां झुग्गी-बस्तियों में पीने के पानी की किल्लत है, वहीं पॉश कॉलोनियों में लॉन सींचे जाते हैं, कारें धुलती हैं और स्विमिंग पूल भरे रहते हैं। कुदरत ने हवा, पानी और संसाधन सभी के लिये दिए हैं, लेकिन अमीरी के असमान दखल ने इनके वितरण को अन्यायपूर्ण बना दिया है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप तो करते हैं, लेकिन ठोस और दीर्घकालिक समाधान सामने नहीं आते। अब समय आ गया है कि सरकार और जनता-दोनों अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएं। सरकार को सार्वजनिक परिवहन को मजबूत, सस्ता और आकर्षक बनाना होगा, उद्योगों पर पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन कराना होगा और शहरी विकास की नीतियों को पर्यावरण-संवेदनशील बनाना होगा। वहीं जनता को भी अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा-अनावश्यक वाहन उपयोग से बचना, ऊर्जा की खपत कम करना, एसी और अन्य सुविधाओं का संयमित इस्तेमाल करना और साझा संसाधनों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना होगा। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है, वहीं बाहर का तापमान व कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा है। इसी तरह तमाम अमीरों द्वारा संचालित उद्योगों में उन उपायों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया जो पर्यावरण में प्रदूषण कम करने में सहायक होते हैं। सरकारों की नीतिगत विफलता इस बढ़ते वायु प्रदूषण की त्रासदी का बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए 'आपात कदम' उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा 'महंगा विकल्प' बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है। वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है। अब समय है कि इस संकट को केवल पर्यावरणीय मुद्दा न मानकर एक सामाजिक और नैतिक चुनौती के रूप में देखा जाए। हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार धीरे-धीरे छिनता जा रहा है। अमीरों को अपनी जीवनशैली पर संयम लाना होगा, अपने निवेशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर मोड़ना होगा, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से दूरी बनानी होगी। सरकारों को सख्त नीति बनानी चाहिए, जो न केवल प्रदूषण फैलाने वालों को दंडित करे बल्कि स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने वालों को प्रोत्साहन दे। वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ित अधिक हैं। अब यह वक्त है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत-विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अमीर तबके को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी। वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण को लेकर किसी किस्म की उदासीनता देश और मानवता के साथ अन्याय होगा। अमीरी होना कोई अपराध नहीं, लेकिन अमीरी की कीमत अगर गरीब चुकाए, तो वह सभ्य समाज की हार है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी और सोच हमें यही संदेश देती है कि स्वच्छ पर्यावरण के लिये कुछ सुखों का त्याग अनिवार्य है। यदि आज हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं, तो आने वाली पीढ़ियों को हम केवल प्रदूषित हवा, सूखते जलस्रोत और असमानता की विरासत ही सौंप पाएंगे।

संजय गांधी जिंदा होते तो देश बहुत आगे बढ़ गया होता : वरुण गांधी

- युवाओं ने संजय गांधी की समाधि में पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाँदा। युवा नेता स्वर्गीय संजय गांधी की 79वीं जन्म जयंती पर नई दिल्ली के राजघाट स्थित शांतिवन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें देशभर के युवाओं ने प्रतिभाग किया। इसमें बाँदा व बुन्देलखण्ड के युवा भी बड़ी संख्या में शामिल हुए और स्व. संजय गांधी की समाधिक स्थल जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक सभा में शामिल हुए। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी व वरुण गांधी भी मौजूद रहे, सभी युवाओं ने उनसे भेंट भी की। रविवार को दिल्ली के राजघाट स्थित शांतिवन में आयोजित स्व. संजय गांधी के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बाँदा से समाजसेवी बसंत गुप्ता के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवाओं ने भागीदारी की और स्व. संजय गांधी की समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान समाजसेवी श्री गुप्ता ने बताया कि युवा ह्रदय सम्राट वरुण गांधी के ओजस्वी विचारो को सुनने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने अपने पिता स्व. संजय गांधी की नीतियों व देश हित में किए गए कार्यो को विस्तार से बताया। कहा कि सभी युवाओं ने परिवार के सदस्य की तरह उपस्थित होकर अपना स्नेह जो दिया है। उससे हमारे परिवार को बल मिला है। उन्होंने सभी के प्रति आभार भी व्यक्त किया है। बसंत गुप्ता वरुण गांधी से पिछले कई सालो से जुड़े हैं। उनका मानना है कि कार्यक्रम में शामिल होकर पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी एवं वरुण गांधी का आत्मिक स्नेह प्राप्त हुआ है।

श्रद्धांजलि सभा में वरुण गांधी ने बताया कि यदि स्वर्गीय संजय गांधी जी होते तो देश बहुत आगे बढ़ चुका होता, क्योकि वह कुशल नेतृत्व क्षमता के स्पष्टवादी नेता थे और देश में भ्रष्टाचार खत्म हो गया होता। श्रद्धांजलि सभा में बाँदा से बसंत कुमार गुप्ता के अलावा मोहनीश, यशोवर्धन सिंह, अमित गुप्ता, उरई से सूरज पाण्डेय सूर्या, कमलाकांत, सतीश वर्मा सहित बड़ी सख्या में लोग उपस्थित रहे ।

बिजली चोरी का नोटिस मिलने पर ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

बांदा। समायोजन की जाँच करने पहुँची बिजली विभाग की टीम ने 2 उपभोक्ताओं से बीस-बीस हजार रुपये की ठगी कर ली। बाद में दोनो को 55 हजार रुपये की बिजली चोरी का नोटिस मिला तो दोनो ग्रामीणों के होश उड़ गए। दोनो बिजली उपभोक्ताओं ने डीएम, एसपी और मुख्यमन्त्री से मामले की शिकायत की है। क्षेत्र के कबौली गाँव निवासी अनवर अहमद और तहव्वर ने अधिकारियों को भेजे गए शिकायती पत्र में बताया है कि 14 अक्टूबर को अतर्रा खण्ड के बिजली जाँच अधिकारी, लाइन मैन और अन्य कर्मचारियों के साथ उनके घर आये थे। बगैर कोई बिजली चोरी पकड़े उनके ऊपर अपराधियो जैसा मानसिक दबाव बनाकर कहा कि अभी 20 हजार रुपये दो, इसके बदले वह उनके पुराने मीटर का बकाया माफ कर देंगे। पीड़ित ने बताया कि उनके दबाव में आकर उन्होंने 18 हजार रुपये नगद और दो हजार रुपये कथित अधिकारी के बताए मोबाइल नम्बर पर यूपीआई कर दिया।

श्री हनुमान कथा वाचक धीरेन्द्र शास्त्री 16 जनवरी को जिले में सुनायेंगे भगवान की महिमा : प्रवीन सिंह

- चार दिवसीय कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर आयोजक ने दी जानकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बुंदेलखंड के जनपद बांदा में पहली बार बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री की हनुमंत कथा होने जा रही है। कथा के दौरान उनका दिव्य दरबार भी सजेगा। जिसमें श्रद्धालुओं की जिज्ञासाओं एवं कष्टों का समाधान होगा। इस कथा में बुंदेलखंड के जालौन, हमीरपुर, महोबा, बांदा के अलावा सतना, रीवा, पन्ना और प्रयागराज, कानपुर, फतेहपुर जनपद के श्रद्धालु भी भाग लेंगे। कलश यात्रा 15 जनवरी को निकलेगी। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल होंगी। कथा 16 से 20 जनवरी तक होगी। यह बात मवई बाईपास में स्थित कथा के मुख्य आयोजक भाजपा नेता व बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन के संस्थापक प्रवीण सिंह ने गुरुवार को कथा स्थल मवई बाईपास में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने बताया कि कथा का मुख्य आयोजक बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन है लेकिन यह आयोजन जन सहयोग से संपन्न होने वाला ऐतिहासिक धार्मिक कार्यक्रम है।जिसमें बांदा सहित आसपास के लगभग 10 जनपदों के श्रद्धालुओं को लाभ प्राप्त होगा। कथा के साथ-साथ महाराज जी का दिव्य दरबार भी सजेगा जिसमें श्रद्धालुओं की जिज्ञासाओं का समाधान होगा। उन्होंने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए हजारों समर्पित युवा व भक्तगण सेवादार के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। सेवादारों को विभिन्न समितियां में विभाजित किया गया है। जिसमें प्रमुख रूप से आयोजन समिति, पंडाल एवं मंच समिति, जलपान एवं भोग समिति, पूजन व्यवस्था समिति, कलश यात्रा समिति, प्रचार प्रसार समिति, स्वागत समिति, यातायात वाहन एवं पार्किंग व्यवस्था समिति, आवास व्यवस्था समिति, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य समिति, सफाई व विद्युत व्यवस्था समिति, मीडिया समन्वय समिति आदि के साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए केंद्रीय कंट्रोल रूम की स्थापना की जाएगी। जिसके माध्यम से कथा स्थल पर समस्त व्यवस्थाओं का संचालन किया जाएगा।

परिवहन एवं यातायात पुलिस ने चलाया ड्रिंकन ऐंड ड्राइव सघन चेकिंग का अभियान

- अभियान के तहत 15 वाहनों का हुआ चालान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिला अधिकारी जे. रीभा एवं पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल, आरटीओ परिवहन उदयवीर सिंह के निर्देशन में एआरटीओ श्यामलाल पीटीओ रामसुमेर यादव, पीटीओ 2 वीरेन्द्र राजभर एवं यातायात प्रभारी संजय मिश्रा के नेतृत्व मे अपनी पूरी टीम के साथ शहर के विभिन्न चौराहों में ड्रिंकन ऐंड ड्राइव का संयुक्त चेकिंग अभियान चलाते हुए यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित कराने तथा सड़क सुरक्षा एवं आपराधिक / असामाजिक गतिविधियों की रोकथाम एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बिना हेलमेट/सीट बेल्ट ट्रिपल सवारी, चारपहिया वाहनों में अवैध रूप से लगी काली फिल्म के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें ड्रिंक एवं ड्राइविंग करते हुए पाए जाने पर 15 लोगों का चालान किया गया वाहनों का चालान भी किया गया एवं जागरुक करते हुए दुष्परिणामों व कानून प्रावधानों के बारे में जानकारी दी साथ ही भविष्य में किसी भी निजी या व्यावसायिक वाहनों पर मनमाने ढंग से काली फिल्म का प्रयोग न करने के लिए कड़ी चेतावनी भी दी गई।

उन्हें एआटीओ श्यामलाल, पीटीओ राम सुमेर यादव एवं यातायात प्रभारी संजय मिश्रा के द्वारा चेतावनी दी की भविष्य ड्रिंक कर वाहनों का संचालन,बिना हेलमेट,सीट बेल्ट,दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न ले जाने व शराब सेवन के उपरांत वाहन चलाने पर कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी साथ ही साथ बताया गया कि यातायात नियमों का पालन करें जनपद में यातायात व कानून व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग प्रदान करें ।

प्यारेलाल साहू सिंचाई संघ के अध्यक्ष निर्वाचित

बांदा। सिंचाई संघ उत्तर प्रदेश की स्थानीय शाखा नलकूप खंड बांदा का द्विवार्षिक अधिवेशन आज विश्व सुरैया हाल सिंचाई विभाग के सभागार मे आयोजित किया गया एवं संगठनात्मक पदों पर निर्वाचन कार्य प्रांतीय अध्यक्ष संजय यादव, संरक्षक विनोद कुमार पांडे, विवेक चतुर्वेदी प्रांतीय महामंत्री,अनुज यादव, रमजोर सिंह चंदेल, चंद भारती यादव , राजकिशोर पाल के नेतृत्व पर किया गया। अध्यक्ष पद पर प्यारेलाल साहू भारी मतों से विजयी घोषित हुए एवं मंत्री पद श्रीमती शीतू दिवाकर ने जीत हासिल किया।वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमानाथ सिंह, आडीटर विप्लव दीक्षित निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को प्रांतीय संगठन ने शपथ दिलवाई एवं सैकड़ों उपस्थिति सदस्यों का आभार व्यक्त किया साथ ही नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्यारेलाल साहू ने सभी सदस्यों को विश्वास दिलाया कि आप सभी की हर समस्याओं का समाधान ससमय करने का पूर्ण प्रयास किया जाएगा किसी भी प्रकार का शोषण नहीं होने दिया जाएगा, सभी उपस्थिति सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

बेकाबू डंपर ने स्कूल जा रही छात्र को कुचला, मौके पर दर्दनाक मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

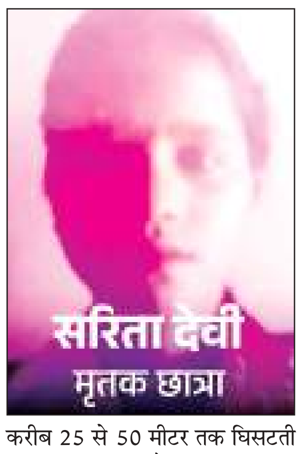

कौशाम्बी। घने कोहरे के बीच गुरुवार सुबह कौशांबी जनपद में एक हृदयविदारक सड़क हादसा हो गया। बेकाबू डंपर की चपेट में आने से साइकिल से स्कूल जा रही 16 वर्षीय छात्रा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। हादसा इतना भयावह था कि छात्रा का सिर बुरी तरह कुचल गया और शव के अंग सड़क पर कई मीटर तक बिखर गये। घटना जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर महेवा घाट थाना क्षेत्र के बैरागीपुर चौराहे के पास सुबह करीब 9 बजे हुई। महेवा ऊपरहार गांव निवासी छोटन निषाद की बेटी छोटी सरिता देवी (16) साइकिल से स्कूल जा रही थी। वह टिकरा गांव स्थित स्वर्गीय सुरेंद्र इंटर कॉलेज में हाईस्कूल की छात्रा थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने छात्रा की साइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद सरिता डंपर के पहियों में फंस गई और करीब 25 से 50 मीटर तक घिसटती चली गयी। इस दौरान उसका सिर बुरी तरह कुचल गया। छात्रा के चीख-पुकार करने के बाउजूद भी चालक ने वाहन रोकने के बजाय रफ्तार और बढ़ा दी। तथा कुछ दूर जाकर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही धीरेंद्र सिंह थाना प्रभारी महेवा घाट पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और डंपर को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। हादसे की जानकारी मिलते ही सरिता की मां विमला देवी और बड़ी बहन गीता मौके पर पहुंचीं। बेटी की क्षत-विक्षत हालत देखकर मां फूट-फूट कर रोने लगी और शव से लिपटकर बिलख पड़ी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सरिता के पिता छोटन निषाद मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सरिता दो बहनों में छोटी थी, परिवार में कोई भाई नहीं है। परिजनों के अनुसार, सरिता पढ़ाई में बेहद होनहार थी और नवमी की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी। भीषण ठंड और कोहरे के बावजूद वह रोज नियमित रूप से स्कूल जाती थी। थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि डंपर को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जायेगी।

अंतर्जनपदीय लोहा चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

कौशाम्बी। निर्माणाधीन वन गमन मार्ग से लोहा चोरी करने वाले एक अंतरजनपदीय गिरोह का पुलिस खुलासा करते हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई थाना संदीपन घाट पुलिस द्वारा की गयी। पुलिस के अनुसार दिनांक 28 नवम्बर को कंस्ट्रक्शन कंपनी के कर्मचारी कौशिक पुत्र रणधीर सिंह द्वारा थाना संदीपन घाट में शिकायत दर्ज कराई गयी थी जिसमें बताया गया था कि निर्माणाधीन वन गमन मार्ग के किनारे लगे मेटल बीम एवं अन्य विशेष लोहे के पुर्जे अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिए गए हैं। शिकायत के आधार पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच प्रारंभ की गयी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तथा अन्य तकनीकी साक्ष्य एकत्र किये। साथ ही लगातार चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर देर रात छीतापुरऽबसेड़ी मार्ग स्थित राम वन गमन मार्ग के पास चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान एक चार पहिया वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक वाहन छोड़कर भागने लगा, जिसे पुलिस टीम ने पीछा कर पकड़ लिया।

किसान दिवस का हुआ आयोजन

कौशाम्बी, किसान कल्याण केन्द्र, मंझनपुर में बृहस्पतिवार को किसान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने किसानों से तकनीकी एवं जैविक खेती अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेत तालाब योजना का लाभ उठाकर तालाब की खुदाई कर उसमें मत्स्य पालन कर किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। साथ ही के.बी.के. से प्रशिक्षण प्राप्त कर मशरूम की खेती अपनाने का भी सुझाव दिया। बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश भी उन्होंने दिये। मुख्य विकास अधिकारी ने किसानों से आह्वान किया कि यदि कोई किसान नवाचार या आधुनिक तकनीकी खेती कर रहा है, तो वह अपने अनुभव अन्य किसानों से साझा कर उन्हें भी जागरूक करे।इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार द्वारा गेहूं की पहली सिंचाई एवं उसमें उर्वरक के समुचित उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

सांसद खेल स्पर्धा महोत्सव–2025 का आयोजन, एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स स्टेडियम परिसर में सांसद खेल स्पर्धा महोत्सवऽ2025 के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में जनपद की विभिन्न तहसीलों से आए सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी की उपस्थिति रही, जबकि नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्र ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। आयोजन में जिला खेल अधिकारी मुकेश साबरवाल, कुश्मेश सहित खेल विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

महोत्सव के अंतर्गत एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कुश्ती, कबड्डी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, भारोत्तोलन, जूडो, खो-खो एवं रस्साकशी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

एथलेटिक्स स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया।

सर्दी के प्रकोप के चलते एसडीएम ने की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

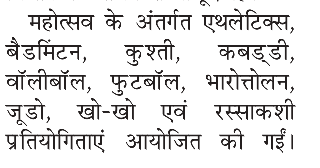

पुरवा-उन्नाव। घने कोहरे और बढ़ती सर्दी के प्रकोप के चलते एसडीएम ने मातहतों की बैठक कर अलाव जलाने व रैन बसेरा की व्यवस्था परखने के निर्देश दिए। बीती रात को एसडीएम व तहसीलदार ने रात्रि में गस्त करके जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया था।

गुरुवार को उपजिलाधिकारी प्रमेश श्रीवास्तव ने अपने कार्यालय में बैठक कर रैन बसेरा व अलाव के उपयुक्त स्थानों के चिन्हांकन की जानकारी ली और समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में तहसीलदार मनीष द्विवेदी, नायब तहसीलदार, समस्त राजस्व निरीक्षक मौजूद रहे। इस दौरान एसडीएम ने अलाव व रैन बसेरा के संबंध में बैठक की। क्षेत्र में अब तक कुल 22 स्थल चुने गए हैं जिनमें अलाव जलाए जाने के सख्त निर्देश दिए।

एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने कहा कि शाम 6 बजे से अलाव जला दिए जाएं। औचक निरीक्षण किया जाएगा। रैन बसेरा पुरवा व मौरावां में है। ये भी व्यवस्थित हैं। कड़कड़ाती सर्दी में पात्रों को कंबल वितरित किए जाएं। सर्दी से किसी की मृत्यु नहीं होनी चाहिए।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/कोर. उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-AYC-PS-134-25-1 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	15.12.2025
नीलामी प्रारंभ तिथि (समस्त लॉट)	31.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	31.12.2025 at 11:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-RBL-PS-122-25-1 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	15.12.2025
नीलामी प्रारंभ तिथि (समस्त लॉट)	31.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	31.12.2025 at 11:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-JNU-PS-121-25-1 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	15.12.2025
नीलामी प्रारंभ तिथि (समस्त लॉट)	31.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	31.12.2025 at 11:50 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-SHG-PS-127-25-1 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	15.12.2025
नीलामी प्रारंभ तिथि (समस्त लॉट)	31.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	31.12.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-MBDP-PS-125-25-1 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	15.12.2025
नीलामी प्रारंभ तिथि (समस्त लॉट)	31.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	31.12.2025 at 12:10 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-SLN-PS-129-25-2 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	15.12.2025
नीलामी प्रारंभ तिथि (समस्त लॉट)	31.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	31.12.2025 at 12:20 hrs.
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3900/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शीतलहर के बीच जिलाधिकारी ने किया रैन बसेरों व अलाव का औचक निरीक्षण

उन्नाव। बढ़ती ठंड एवं शीतलहर के दृष्टिगत जिलाधिकारी गौरांग राठी ने पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश की उपस्थिति में नगर पालिका परिषद उन्नाव के अंतर्गत संचालित रैन बसेरों एवं अलावों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने असहाय, गरीब एवं निराश्रित राहगीर व्यक्तियों को कंबल वितरित किए।जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ठंड के मौसम में कोई भी गरीब, असहाय अथवा निराश्रित व्यक्ति खुले आसमान के नीचे बैठा, सोता या टहलता हुआ न मिले। ऐसे सभी व्यक्तियों को नगर पालिका द्वारा संचालित रैन बसेरों में पहुंचाकर ठहराया जाए तथा वहां सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण सूचना

रेलयात्रियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियां संचालित करने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी सं. 04696/04695 अमृतसर – बांद्रा टर्मिनस – अमृतसर आरक्षित सुपरफास्ट विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (04 फेरे)

गाड़ी सं. 04696 आगमन	गाड़ी सं. 04696 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04695 आगमन	गाड़ी सं. 04695 प्रस्थान
—	04:20	अमृतसर	20:30	—
11:00	—	बांद्रा टर्मिनस	—	14:00

चलने के दिन: 04696 अमृतसर से दिनांक 23.12.2025 एवं 27.12.2025 को और 04695 बांद्रा टर्मिनस से दिनांक 24.12.2025 एवं 28.12.2025 को।

ठहराव: ब्यास, जलंधर शहर, लुधियाना जं., अंबाला छावनी, पानीपत जं., दिल्ली सफदरजंग, मथुरा जं., गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर जं., कोटा जं., रतलाम जं., दाहोद, गोधरा जं., वडोदरा जं., भरूच जं., सूरत, वलसाड, वापी एवं बोरीवली स्टेशन।

संरचना: प्रथम वाता., वाता. 2 टियर, वाता. 3 टियर, वाता. शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलगाड़ी सं. 04002/04001 नई दिल्ली – मुंबई सेंट्रल – नई दिल्ली आरक्षित सुपरफास्ट विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (08 फेरे)

गाड़ी सं. 04002 आगमन	गाड़ी सं. 04002 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04001 आगमन	गाड़ी सं. 04001 प्रस्थान
—	22:40	नई दिल्ली	20:50	—
21:00	—	मुंबई सेंट्रल	—	23:30

चलने के दिन: 04002 नई दिल्ली से दिनांक 20, 23, 26 एवं 29.12.2025 को और 04001 मुंबई सेंट्रल से दिनांक 21, 24, 27 एवं 30.12.2025 को।

ठहराव: मथुरा, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, कोटा, रतलाम, वडोदरा, सूरत एवं बोरीवली स्टेशन।

संरचना: प्रथम वाता., वाता. 2 टियर, वाता. 3 टियर, वाता. 3 टियर इकोनॉमी एवं शयनयान श्रेणी।

रेलगाड़ी सं. 04078/04077 नई दिल्ली – कामाख्या जं. – नई दिल्ली आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (06 फेरे)

गाड़ी सं. 04078 आगमन	गाड़ी सं. 04078 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04077 आगमन	गाड़ी सं. 04077 प्रस्थान
—	19:15	नई दिल्ली	08:20	—
10:30	—	कामाख्या जं.	—	14:00

चलने के दिन: 04078 नई दिल्ली से दिनांक 20, 25 एवं 30.12.2025 को और 04077 कामाख्या जं. से दिनांक 22, 27.12.2025 एवं 01.01.2026 को।

ठहराव: गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगुसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., नौगछिया, कटिहार जं., बारसोई जं., किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कोच बिहार, कोकराझार, न्यू बंगाईगाँव, बरपेटा रोड एवं रंगिया जं. स्टेशन।

संरचना: वाता. 2 टियर, वाता. 3 टियर, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

रेलगाड़ी सं. 05905/05906 डिब्रूगढ़ – लखनऊ जं. – डिब्रूगढ़ विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (02 फेरे)

गाड़ी सं. 05905 आगमन	गाड़ी सं. 05905 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 05906 आगमन	गाड़ी सं. 05906 प्रस्थान
—	14:00	डिब्रूगढ़	05:30	—
16:30	—	लखनऊ जं.	—	23:30

चलने के दिन: 05905 डिब्रूगढ़ से दिनांक 19.12.2025 को और 05906 लखनऊ जं. से दिनांक 23.12.2025 को।

ठहराव: न्यू तिनसुकिया, सिमलगुड़ी जं., मरियानी जं., फरकाटिंग जं., डिमापुर, लामडिंग जं., होजाई, चापरमुख जं., जगी रोड, गुवाहाटी, कामाख्या जं., रंगिया जं., बरपेटा रोड, न्यू बंगाईगाँव जं., फकिराग्राम जं., न्यू कोचबिहार, अलीपुरद्वार जं., न्यू माल जं., सिलीगुड़ी जं., न्यू जलपाईगुड़ी, अलुआबाड़ी रोड जं., किशनगंज, बारसोई जं., कटिहार जं., नौगछिया, खगड़िया, बेगुसराय, बरौनी जं., समस्तीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., हाजीपुर जं., छपरा, सीवान जं., गोरखपुर जं., गोंडा जं., बाराबंकी जं. स्टेशन। संरचना: शयनयान श्रेणी।

रेलगाड़ी सं. 06043/06044 कोयम्बत्तूर जं. – हरिद्वार जं. – कोयम्बत्तूर जं. विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (02 फेरे)

गाड़ी सं. 06043 आगमन	गाड़ी सं. 06043 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 06044 आगमन	गाड़ी सं. 06044 प्रस्थान
—	11:15	कोयम्बत्तूर जं.	04:00	—
17:00	17:10	हजरत निजामुद्दीन	03:15	03:25
00:05	—	हरिद्वार जं.	—	22:30

चलने के दिन: 06043 कोयम्बत्तूर जं. से दिनांक 24.12.2025 को एवं 06044 हरिद्वार जं. से दिनांक 30.12.2025 को।

ठहराव: पालक्काड जं., शोरणूर जं., कोझिक्कोड, कण्णूर, मंगलूरु जं., उडुपि, कुन्दापुरा, मूकाम्बिका रोड बैन्दूर, कारवार, मडगांव जं., थिविम, रत्नागिरी, चिपलूण, रोहा, पनवेल, वसई रोड, उधना जं., वडोदरा जं., रतलाम जं., कोटा जं., सवाई माधोपुर जं., मथुरा जं., हजरत निजामुद्दीन, गाजियाबाद एवं रुड़की स्टेशन।

संरचना: वाता. 3 टियर, वाता. 3 टियर इकोनॉमी एवं शयनयान श्रेणी।

रेलगाड़ी सं. 09497/09498 साबरमती बीजी – शकूर बस्ती – साबरमती बीजी सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी (विशेष किराये पर) (04 फेरे)

गाड़ी सं. 09497 आगमन	गाड़ी सं. 09497 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 09498 आगमन	गाड़ी सं. 09498 प्रस्थान
—	22:55	साबरमती बीजी	12:20	—
15:15	—	शकूर बस्ती	—	21:00

चलने के दिन: 09497 साबरमती बीजी से दिनांक 22.12.2025 एवं 24.12.2025 को और 09498 शकूर बस्ती से दिनांक 23.12.2025 एवं 25.12.2025 को।

ठहराव: महेसाणा जं., पालनपुर जं., आबू रोड, मारवाड़ जं., अजमेर जं., जयपुर जं., अलवर जं., रेवाड़ी जं., गुड़गांव एवं दिल्ली छावनी स्टेशन।

संरचना: वाता. 3 टियर।

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रोशन नगर में स्कूल की जमीन पर अवैध कब्जा

- प्लाटिंग के लिए बना ली सड़क, लेखपाल ने अधिकारियो को गुमराह करने वाली रिपोर्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बांकेगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत रोशन नगर में सरकारी और स्कूल की भूमि पर अवैध कब्जे का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। 22 नवंबर को आईजीआरएस पोर्टल पर की गई शिकायत–शिकायत संख्या 4001532 5054 354–पर दर्ज कराई गई थी जिसमें लेखपाल दिनेश वर्मा द्वारा जो रिपोर्ट लगाई गई है वह कई सवाल खड़े कर रही है लेखपाल की रिपोर्ट में दिखाया गया है कि कोई अवैध कब्जा नहीं है वहां पर कोई रास्ता नहीं है जो कि सरासर भ्रामक है किसी भी ग्रामीण या पूर्व प्रधानों से पूछा जा सकता है। सरकारी नक्शा देखा जा सकता है। इससे साबित होता है कि लेखपाल और अवैध प्लाटिंग करने वाले के बीच सांठ गांठ जरूर हुई है। लेखपाल द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल का खुला मजाक उड़ाया गया है और अधिकारियों को गुमराह करने वाली रिपोर्ट दी गई है। रिपोर्ट में आवासीय मामले को लेकर बताया गया है की फाइल अधिवक्ता के पास मौजूद है ऐसे तो कोई प्लाटिंग कर ले ,बता दे कि फाइल अधिवक्ता के पास मौजूद है। काम खत्म हो जाएगा।

जिसकी जांच जनहित में कराया जाना बेहद जरूरी है ताकि सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा रुक सके। मामला यह है कुछ प्राथमिक स्कूल और बड़े मंदिर के बीच कोई रास्ता नहीं था तत्कालीन ग्राम प्रधान के परिजनों का मंदिर था इसलिए उन्होंने मंदिर और स्कूल की जमीन के बीच चढ़ा और गहरा नाला खुदवा दिया था जब बाद में स्कूल बना तो नाले के बाद कुछ जमीन छोड़कर भवन बनाया गया फिर बाउंड्री बाल कराई गई जो बीच में जगह सरकारी जगह छुट्टी थी उसको एक धर्म विशेष के ग्राम प्रधान की मदद से उसी के धर्म के एक प्रॉपर्टी डीलर द्वारा स्कूल एवं सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रास्ता बनाया गया है, जबकि संबंधित भूमि न तो आवासीय घोषित है और न ही प्लॉटिंग के लिए जिला पंचायत से कोई नक्शा पास कराया गया है। इसके बावजूद अवैध रूप से प्लाटों की बिक्री जारी है। जिस खेत पर प्लाटिंग की गई है, उसका मूल रास्ता उत्तर दिशा की ओर है, लेकिन अवैध रूप से दक्षिण दिशा में स्थित स्कूल की जमीन पर कब्जा कर नया रास्ता निकाल दिया गया है। इससे स्कूल की भूमि पर अतिक्रमण होने के साथ-साथ भविष्य में शिक्षण संस्थान के विस्तार और सुरक्षा पर भी खतरा उत्पन्न हो गया है। जनहित से जुड़े इस मामले में शिकायतकर्ता ने प्रशासन से अवैध कब्जे को तत्काल हटाने और जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नहर में गिरने से महिला की मौत, रिटायर्ड फौजी के परिवार पर दुखों का पहाड़

अज़ान खीरी। हैदराबाद थाना क्षेत्र में सीतापुर ब्रांच नहर से गुरुवार को एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला की पहचान ममता देवी (40) पत्नी सर्वेश कुमार कश्यप निवासिनी बेलवा के रूप में हुई है। थाना प्रभारी सुनील मलिक ने बताया मृतका ममता देवी पति सर्वेश कुमार कश्यप के साथ सुबह करीब 8 बजे ग्राम खोखाय नहर के पास स्थित हनुमान मंदिर पर पूजा करने गए थे। पूजा करने के बाद वह अपनी पत्नी को मंदिर पर छोड़कर ममरी में स्थित अपने तालाब को देखने चले गए, जहां उन्होंने मछलियां पाल रखी हैं। जब वह वापस आए, तो उनकी पत्नी ममता वहां नहीं थीं। उन्होंने काफी देर तक उनकी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। इसके बाद ममता देवी का शव परसेला के पास निकली नहर में उतराता हुआ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से ममता देवी के शव को नहर से निकलवाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला भेजा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ममता देवी के पति सर्वेश कुमार कश्यप रिटायर्ड फौजी हैं और उनके दो बेटियां और एक बेटा है। उनकी बेटियां मुस्कान (24) और मानशी (22) हैं।

अजान चौकी क्षेत्र में भैंस चोरी की घटनाएं बढ़ीं, पुलिस की कार्यशैली पर सवाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। थाना हैदराबाद की अजान चौंकी क्षेत्र में भैंस चोरी की घटनाएं दिन पे दिन बढ़ती जा रही हैं। चोर घरों के बाहर बंधे पशुओं को निशाना बना रहे हैं। चौकी क्षेत्र के अलग-अलग गांवों से पशुचोरों ने एक भैस के बछड़े सहित चार भैंसे पशुबाड़े से खोल ले गए हैं। पहली घटना कोरैया गांव में मुनीश कुमार वर्मा के यहा हुई, मुनीश कुमार ने बताया कि बुधवार की शाम अपनी दुधारू भैंस व उसके लीचर को घर के बाहर बने पशुबाड़े में बांध दिया था। पशुओं को चारा डालने के बाद वे सोने चले गए। रात करीब दो बजे जागे, पशुबाड़े में लीचर व भैंस न होने देखा तो भैंस गायब थी। परिजनों के साथ भैंस की काफी खोजबीन की, लेकिन भैंस व उसके लीचर का कोई पता नहीं लगा। उनकी भैंस की कीमत करीब 70 हजार रुपये है। दूसरी घटना परसेहरा गांव में सुशील कुमार के घर के बाहर बने में पशुबाड़े में बंधी भैंस भी बुधवार रात चोरी हो गई । सुबह जागे तो देखा कि उनकी भैंस गायब थी इधर-उधर तलाश की पर कुछ पता नहीं चला,सुशील कुमार ने अजान चौकी पुलिस में लिखित तहरीर देकर भैंस का पता लगाने की मांग की है। ग्राम तकिया और कचियानी में भी भैंस चोरी की घटनाएं हुई हैं। अज़ान चौकी पुलिस ने बताया कि दो भैंस चोरी होनी की तहरीर अभी मिली है दो भैंस चोरी होनी की अभी तहरीर नहीं मिली है जांच की जा रही है।

तिकुनिया पुलिस ने वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत तिकुनिया पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है।

पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत, अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी निघासन के कुशल मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक तिकुनिया के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। तिकुनिया पुलिस द्वारा आज दिनांक 18 दिसंबर 2025 को वांछित अभियुक्त प्रकाश पुत्र सूरजलाल, निवासी सुथना बरसोला, थाना तिकुनिया, जनपद खीरी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना तिकुनिया में पंजीकृत मु0अ0सं0 286/2025, धारा 103(1) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज है। पुलिस ने अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करने के उपरांत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक पुष्पराज कुशवाहा, उपनिरीक्षक आलोक कुमार राय, हेड कांस्टेबल यशपाल सिंह तथा कांस्टेबल गौरव शामिल रहे।

पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना से वेंडरों के रोजगार को मिली रफ्तार

बांदा। पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना से वेंडरों को उनके रोजगार में रफ्तार मिली है। बांदा में सन 2020 से अब तक 8067 स्ट्रीट वेंडरों ने योजना का लाभ लिया है और सरकार की मंशा के अनुरूप जिला नगरीय विकास अभिकरण(डूडा) विभाग के द्वारा नगर पालिका व नगर पंचायतों में अभियान चलाकर आवेदन के लिए स्ट्रीट वेंडरों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत बैंकों से 7ः की ब्याज दर में छूट के साथ वेंडरों को पैसा दिया जाता है। और बांदा में 8067 वेंडरों ने प्रथम किस्त लेकर इस योजना का लाभ लिया है और अपने रोजगार को बढ़ाया है। जहां पहले पैसों के अभाव में स्ट्रीट वेंडर अपना रोजगार नहीं बढ़ा पाते थे वहीं योजना से जुड़कर स्ट्रीट वेंडरों ने अपने रोजगार को बढ़ाया है। पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना के तहत स्ट्रीट वेंडरों को बैंक ऋण की प्रथम किस्त जहां 15 हजार रुपये रुपए देती है तो वही इस किस्त का भुगतान करने के बाद दूसरी किस्त 25 हजार रुपये की दी जाती है। जिससे स्ट्रीट वेंडर अपने रोजगार को और बढ़ा सकते हैं।

कुंभी गोला ब्लॉक में अव्यवस्थाओं का अंबार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कुंभी गोला विकासखंड इन दिनों अव्यवस्था और लापरवाही का उदाहरण बनता जा रहा है। ब्लॉक कार्यालय में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है, जिससे दूर-दराज से आने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ब्लॉक परिसर में लगा इंडिया मार्का हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़ा है, जबकि वाटर कूलर भी पूरी तरह जर्जर अवस्था में है। पीने के पानी की सुविधा न होने से महिलाओं और बुजुर्गों को ब्लॉक से बाहर जाकर पानी की तलाश करनी पड़ती है। शौचालयों की स्थिति भी अत्यंत खराब है। अंदर गंदगी और दुर्गंध के कारण उनका उपयोग करना संभव नहीं है। खासकर महिला आगंतुकों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ब्लॉक परिसर में बना पार्क भी उपेक्षा का शिकार है। न तो हरियाली दिखाई देती है और न ही किसी प्रकार का रखरखाव। विकास के दावे केवल कागजों तक सीमित नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि खंड विकास अधिकारी अधिकतर बैठकों में व्यस्त रहते हैं, जिससे जनता की समस्याओं को सुनने और योजनाओं की जानकारी देने का समय नहीं मिल पाता। इससे ब्लॉक की व्यवस्था पूरी तरह चरमराती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जब न अधिकारी समय पर मिलते हैं और न ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं, तो वे अपनी समस्याएं किसके सामने रखें। लोगों ने उच्च अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप कर कुंभी गोला ब्लॉक की व्यवस्थाओं को सुधारने की मांग की है।

हेल्पिंग द मैनकाइंड फाउंडेशन ने ग्रामीणों को बांटें कंबल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- बच्चों को गर्म टोपी का किया गया वितरण

बांदा। मौसम में आए अचानक बदलाव एवं बढ़ती ठंड को मद्देनजर रखते हुए हेल्पिंग द मैनकाइंड फाउंडेशन बांदा संस्था की टीम की ओर से बबेरू के ग्राम गौरीखानपुर में सीज़न का दूसरा बड़ा बृहद कंबल वितरण किया गया जिसमें लगभग एक सैकड़ा से अधिक ज़रूरत मंद परिवारों को कंबल वितरित किए गए एवं एक सैकड़ा से अधिक बच्चों को सर्दी के गर्म टोपे वितरित किए गए जिसको पाकर ज़रूरत मंद परिवारों, बुजुर्गों,महिलाओं एवं बच्चों के चेहरों में खुशी देखी गई ग्राम वासियों ने हेल्पिंग द मैनकाइंड फाउंडेशन बांदा ग्रुप की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया एवं ग्राम वासियों का कहना था कि ठंड की इस घड़ी में ज़रूरत मंद परिवारों के बुजुर्गों एवं बच्चों का संस्था ने ख्याल रखा गया और कंबल एवं गर्म टोपे उपलब्ध कराएं। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक हसन उद्दीन सिद्दीकी साहब के संरक्षण में आयोजन समिति हेल्पिंग द मैनकाइंड फाउंडेशन बांदा संस्था से संस्था के अध्यक्ष नदीम उल्ला खान,वरिष्ठ सहयोगियों में सुनील सक्सेना मीडिया प्रभारी,मोहम्मद शादाब पूर्व प्रधान,आरिफ खान,सैफ उल्ला उर्फ मुन्ना, उपाध्यक्ष जावेद खान,संगठन मंत्री शेख रिज़वान,शाखा प्रमुख छावनी हसीब,शाखा प्रमुख खाईपार अली, महामंत्री शहबाज खान हनी,शाखा प्रमुख सिकंदर सनी,सोशल मीडिया प्रभारी उरूज़,सहयोगी इरशाद हुसैन,टीपू,उपाध्यक्ष मोहम्मद फरहान एवं कलीम उल्ला खान,सचिव उमर अली,कोषायक्ष अनस उल्ला खान,उपसचिव आसिफ मसूदी एवं गफ्फार खान,कानूनी सलाहकार समीर उलहक़ एड,सलाहकार में आबिद अली,शिफात खान,विक्की खान,भरत हार्डवेयर,कार्यालय प्रभारी इमरान एवं शादाब हुसैन सदस्य ब्रज बिहारी,उस्मान सभी ने आए हुए ज़रूरत मंद परिवारों का आभार व्यक्त किया टीम द्वारा अवगत कराया गया कि आगे भी सर्दी की रातों में ज़रूरत मंद लोगों को ठंड से बचाने के लिए संस्था के लोग सड़क किनारे सो रहे ज़रूरत मंदो में कंबल एवं गर्म टोपे आदि उपलब्ध कराने का कार्य हर साल की तरह इस साल भी बराबर करती रहेगी।

नाबालिक लड़की का मुकदमा दर्ज होने के बाद भी आरोपी पर नहीं की कोई कार्यवाही

बांदा। जसपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली नाबालिक लड़की मेला देखने गई थी। जहां से गायब हो गई खोजबीन करने के बाद भी नहीं नहीं मिली दूसरे दिन लड़की अपने आप घर पहुंची तभी लड़की के पिता ने थाना पैलानी पहुंचकर मुकदमा दर्ज कराया था आज एसपी को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाते हुए बताया कि नाबालिक लड़की को आरोपी शुभम ने बहला फुसलाकर भगाकर ले गया वही आरोपी के विरुद्ध पैलानी पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया इसके बाद भी आरोपी बेख़ौफ़ होकर घूम रहा है पुलिस ने पीड़ित का डॉक्टरी प्रशिक्षण भी नहीं कराया पीड़िता के पिता ने आज बुधवार को एसपी को पत्र सौंप कर शीघ्र ही कार्रवाई के जाने की मांग की है बीते नवंबर माह की 5 तारीख को पैलानी तहसील अंतर्गत कालेश्वर मंदिर 13 वर्षीय बालिका मेला देखने गई थी।

राजकीय इंटर कालेज मटौंध में वृहद रोजगार मेले का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार के मिशन रोजगार के तहत गुरुवार को सेवा नियोजन निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज मटौंध में एक दिवसीय बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 350 बेरोजगार अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया और यहां पर आई कई कंपनियों ने उनका साक्षात्कार लिया। जिसमें कुल 193 बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया गया। और सरकार के मिशन रोजगार के तहत इन सभी अभ्यर्थियों को अलग-अलग कंपनियों में नौकरी मिली। उक्त रोजगार मेले में 5 कंपनियों ने अभ्यर्थियों का चयन किया। जिसमें आमधन-ई प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने 12 अभ्यर्थियों का चयन किया, वहीं रिलायंस निप्पोन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने 37 अभ्यर्थियों का, एजुवेंटेड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने 16, सारा सिक्योरिटी साल्यूशन ने 128 व जीवितम कंपनी ने 23 अभ्यर्थियों का चयन किया। और कुल 193 बेरोजगार अभ्यर्थियों को इस रोजगार मेले में नौकरी मिली। बृहद रोजगार मेले का उद्घाटन जिला विद्यालय निरीक्षक बांदा दिनेश कुमार द्वारा किया गया एवं इस अवसर पर सहायक निदेशक सेवायोजन अहमद अंसारी, जिला सेवायोजन अधिकारी मोहित जायसवाल तथा राजकीय इंटर कॉलेज मटौंध की प्रधानाचार्य प्रियंका सिंह उपस्थित रहीं। इन लोगों के द्वारा चयनित हुए अभ्यर्थियों को बधाई दी गई और कहा कि सभी अभ्यर्थी अब अपने दायित्वों का सही से निर्वहन करें।

संक्षिप्त समाचार

कोहरे की चपेट में बांदा, तीन दिन तक ऑरेंज एलर्ट जारी

बांदा। जनपद में घनघोर कोहरे की चपेट में पूरी तरह छाया हुआ है। मौसम की बेरुखी को देखते हुए मौसम विभाग ने तीन आगामी तीन दिनों के लिए आरेन्ज एलर्ट जारी किया है। आज गुरुवार की ओर ही से अचानक कोहरा था कि लगभग दस कदम की दूरी तक कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा आलम यह है कि रोड पर आने-जाने वाले वाहन रेगते हुए नजर आ रहे हैं। मौसम की बेराखी को देखते हुए मौसम विभाग ने आगामी तीन दिनों के लिए जनपद बांदा में आरेन्ज अलर्ट जारी किया हैं। मौसम को देखते हुए सूबे के मुखिया ने आदेश जारी किया है कि जिला प्रशासन स्तर पर यात्रियों के लिए रैन बसेरा की व्यवस्था की जाये। गरीबों में कंबलों का वितरक भी कराया जायें। लेकिन अभी तक जनपद में मुख्यालय में चाहे रेलवे स्टेशन प्रागंण हो या बस स्टैंड कही भी रैन बसेरा नजर नहीं आए और कही भी गरीबी को कम्बल नहीं बाटे गए। नगर पालिका लापरवाह, नहीं जलवा रहा अलाव-बांदा घनघोर सर्दीले मौसम की मार आम जनमानस जलने को मजबूर है जिला प्रशासन स्टार से आरक्षित किए जाने के बावजूद भी नगरपालिका का रवैया लापरवाही भरा है यात्रियों आने-जाने वाले राहगीरों व साधन का इंतजार करने वाले यात्रियों को ठंड से बचने के वास्ते नगर पालिका ने कोई व्यवस्था नहीं की अभी तक किसी चौराहे व यात्रियों को रात में ठंड से बचने के लिए अलाव जलवाने की व्यवस्था नहीं की है गई है जबकि इसके लिए नगर पालिका में अलग से बजट उपलब्ध रहता है।

ठंड व कोहरे से जनजीवन अस्त-व्यस्त

पैलानी /बांदा। पैलानी तहसील अंतर्गत बीती रात एक बजे से सबादा ,चंदवारा ,इछावर, काना खेड़ा, सिंधन कला, पैलानी, रामपुर ,गौरी, अमारा

व्यक्ति को चाकू मारकर हत्या करने वाले चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान ह्नऑपरेशन कन्विक्शनङ्क के तहत कड़ी सजा दिलाये जाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के कुशल निर्देशन में वर्ष-2021 में थाना मटौंध क्षेत्र अन्तर्गत व्यक्ति को चाकू मारकर हत्या करने वाले चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास व जुर्माने से दण्डित कराया गया । गौरतलब हो कि 15 नवंबर 21 को थाना मटौंध क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भूरागढ़ के रहने वाले रियाज खाँन उर्फ पप्पू पुत्र शहजाद, अन्जुम खाँन उर्फ नूरी पुत्री शहजाद, विल्लू उर्फ अरबाज पुत्र अनवर व शैलेन्द्र पुत्र मुन्नू द्वारा एक राय होकर चाकू मारकर गांव के ही एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी जिसके सम्बन्ध में मृतक के भाई जयसिंह की तहरीर पर थाना मटौंध में धारा 302/34 भादवि पंजीकृत किया गया था ।जिसकी विवेचना तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक थाना मटौंध अरविन्द सिंह गौर द्वारा सम्पादित की गयी । विवेचना के क्रम में विवेचक द्वारा प्रभावी विवेचना करते हुए 25 अगस्त 22 को आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया था । लोक अभियोजक मनोज कुमार दीक्षित व रामकुमार सिंह द्वारा न्यायालय में प्रभावी पैरवी की गई साथ ही कोर्ट मोहर्रिर आरक्षी विपुल यादव तथा पैरोकार आरक्षी संदीप कुमार के अथक प्रयासों से सभी अभियुक्तो को न्यायालय बांदा द्वारा आजीवन कारावास व कुल 40 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित कराया गया ।

लंबित वादों का अभियान चलाकर निस्तारण करें, लापरवाह कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई : डीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में तहसील न्यायालयों में लंबित वादों, कृषक दुर्घटना बीमा योजना, स्वामित्व योजना, पट्टा व तालाब आवंटन, एंटी भू-माफिया अभियान सहित अन्य महत्वपूर्ण राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों व तहसीलदारों को निर्देशित किया कि तहसील न्यायालयों में तीन वर्ष व पांच वर्ष से अधिक पुराने लंबित वादों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए। उन्होंने कहा कि पुराने वाद किसी भी स्थिति में लंबित न रहें, अधिकारी स्वयं रुचि लेकर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें।

संदिग्ध अवस्था पर एक व्यक्ति का शव झाड़ियां के पास पड़ा मिला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- शव के पास में मिली सल्फाज की डिब्बी

बबेरू/बांदा। बबेरू कोतवाली क्षेत्र के परसौली गांव में एक व्यक्ति का संदिग्ध अवस्था पर पड़ा मिला शव जांच में जुटी पुलिस मौके पर पहुंचे सीओ व कोतवाली प्रभारी निरीक्षक, जांच के लिए पहुंची फील्ड यूनिट फोरेंसिक टीम, बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत परसौली गांव निवासी भजनी रैदास के खाली मकान के हाते में झाड़ियों के पास गुरुवार को करीब 4 बजे संदिग्ध अवस्था पर एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला है। जहां शव के पास एक सल्फास की गोली की डिब्बी भी मिली है, जैसे ही ग्रामीणों ने देखा तो डायल 112 पीआरबी पुलिस को सूचना दी गई, मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव की पहचान राजेश वर्मा पुत्र राम अवतार वर्मा उम्र करीब 36 वर्ष निवासी परसौली के नाम से किया है, वहीं सूचना मिलते ही मौके पर बबेरू कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र सिंह राजावत व बबेरू पुलिस क्षेत्राधिकारी सौरभ सिंह मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर परिजनों से पूछताछ कर जांच पड़ताल में जुट गई है। वहीं मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाकर जांच पड़ताल की गई है। उसके बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए गुरुवार की देर शाम मेडिकल कॉलेज बांदा भेज दिया है। वहीं मौत की खबर सुनकर परिवार में कोहराम मच गया, जानकारी के मुताबिक मृतक की तीन पुत्री व दो पुत्र हैं। वही पुलिस क्षेत्राधिकारी सौरभ सिंह का कहना है, की परसौली गांव में खाली हाते में झाड़ियां के पास एक व्यक्ति का शव मिला है, शव की पहचान राजेश वर्मा पुत्र रामावतार वर्मा उम्र 36 वर्ष, निवासी परसौली थाना बबेरू के नाम से की गई है। शव के बगल में सल्फास की गोली की डिब्बी मिली है, मौके पर फील्ड यूनिट फॉरेंसिक टीम को बुलाकर जांच पड़ताल करवाई गई है, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। उसके बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

मुखबिर की सूचना पर युवक गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फतेहपुर चौरासी-उन्नाव। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर चोरी के अपराध में लिप्त एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्यवाही की है। बीते बुधवार को कस्बा फतेहपुर चौरासी निवासी शफीक नामक व्यक्ति ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि एक चार पहिया वाहन सवार अज्ञात लोगों ने उसके मुर्गी फार्म की जाली तोड़कर लगभग चार दर्जन मुर्गी चुरा ले गए। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने जांच व चोरों की तलाश शुरू कर दी। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने क्षेत्र के गांव चिरंजू पुरवा निवासी सरोज नामक व्यक्ति को चार पहिया वाहन और करीब तीन दर्जन जीवित मुर्गियों समेत बहादुर खेड़ा मोड़ से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्यवाही की है ।

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
ई-निविदा संख्या: NER-LJN-2025-204
समापन अवधि: 10 माह।
www.ireps.gov.in
मंडल रेल प्रबंधक / इंजीनियरिंग
लखनऊ

श्रृंखला जीतने उतरेगा भारत, सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर होगी निगाह

एजेंसी

अहमदाबाद। चयन को लेकर उठे सवालों और कुछ कमजोरियों के उजागर होने के बीच भारत शुक्रवार को यहां होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चुनौतीपूर्ण श्रृंखला का सकारात्मक अंत करने की कोशिश करेगा। टेस्ट श्रृंखला में 0-2 से हारने के बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुए वनडे श्रृंखला जीती। अब उसने टी20 श्रृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली है, क्योंकि बुधवार को लखनऊ में खराब मौसम के कारण चौथा मैच रद्द कर दिया गया था। यह सुनिश्चित है कि भारत अब इस श्रृंखला को हार नहीं सकता है जो मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए राहत की बात होनी चाहिए क्योंकि टीम के दो प्रमुख खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव तथा टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। कुछ समय पहले तक विश्व के नंबर एक खिलाड़ी रहे सूर्यकुमार की फॉर्म भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने टी20 में इस साल 20 मैचों में 18 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं बनाया। इस दौरान उन्होंने 14.20 के औसत से 213 रन बनाए। गिल का छोटे प्रारूप में नहीं चल पाना भी भारत के लिए अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले चिंता का विषय होगा। वह पिछले मैच में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे जिससे उनका अंतिम मैच में खेलना संदिग्ध है। भारतीय टीम किसी तरह का जोखिम लेना उचित नहीं समझेगी क्योंकि उसके पास शीर्ष क्रम में संजू सैमसन के रूप में एक अच्छा विकल्प मौजूद है। सैमसन निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए कभी भी सही विकल्प नहीं थे। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि मध्यक्रम में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने अपने तीनों टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक शीर्ष क्रम पर खेलते हुए बनाए हैं। अंतिम मैच में गिल की अनुपलब्धता की स्थिति में मौका मिलने पर केरल का यह विकेटकीपर-बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। इसके अलावा भारतीय टीम संतुलित नजर आती है क्योंकि दोनों ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे अब तक खेले गए तीनों मैचों में अंतिम एकादश में शामिल रहे हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में अर्शदीप सिंह अपनी लय में आ रहे हैं जबकि हर्षित राणा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच निजी कारणों से तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेल पाने वाले जसप्रीत बुमराह चौथे मैच से पहले टीम से जुड़ गए हैं। यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जाती है जो इस श्रृंखला में भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती (छह विकेट) के लिए चुनौती पेश करेगी। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो उसके बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतार चढ़ाव वाला रहा है। अगर उसे श्रृंखला बराबर करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम रीजा हेंड्रिक्स की जगह एडेन मार्क्रम को शीर्ष क्रम में वापस लाने पर विचार कर सकती है। रीजा हेंड्रिक्स इस दौरे पर अपनी लय हासिल नहीं कर पाए हैं। दक्षिण अफ्रीका को इसके अलावा युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी जो अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। दक्षिण अफ्रीका को मार्को यानसन की आक्रामक पारियों की कमी भी खली है, लेकिन लुंगी एनगिडी और ओटनेल बार्टमैन ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है।

कॉनवे और लैथम की ऐतिहासिक शतकीय साझेदारी, पहले दिन वेस्टइंडीज बैकफुट पर

एजेंसी

माउंट माउंगानुई। डेवोन कॉनवे (नाबाद 178) और टॉम लैथम (137) की शानदार और धैर्यपूर्ण शतकीय पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट के पहले दिन वेस्टइंडीज पर पूरी तरह दबदबा बना लिया। दोनों ओपनरों ने पूरे दिन विकेट पर टिककर मेहमान गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। बे ऑफ प्लेंटी का मैदान नाम के अनुरूप इस दिन सिर्फ न्यूजीलैंड के लिए ही फलदायी साबित हुआ। वेस्टइंडीज की टीम 30 साल बाद न्यूजीलैंड में टेस्ट जीत का सपना लेकर उतरी थी, लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतता गया, वह मुकाबले से दूर होती चली गई। दिन भर चले रिकॉर्ड और आंकड़ों के बीच रोस्टन चेज़ की अगुआई वाली टीम दर्शक मात्र बनकर रह गई। इस मैदान पर खेले गए पिछले पांच टेस्ट मैचों में पहले सत्र में विकेट गिरा था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। न्यूजीलैंड के नियमित कप्तान केन विलियमसन को बल्लेबाजी के लिए अब तक का सबसे लंबा इंतजार करना पड़ा। ओपनिंग जोड़ी इतनी सहज नजर आई कि विकेट गिरने का कोई संकेत नहीं मिला। टॉम लैथम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का साहसिक फैसला किया, जो पूरी तरह सही साबित हुआ। उन्होंने बेहद तकनीकी और पाठ्यपुस्तक जैसी बल्लेबाजी करते हुए अपना 15वां टेस्ट शतक पूरा किया। इस पारी के साथ उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में ओपनर के रूप में 6000 रन भी पूरे किए। लैथम शाम 6.30 बजे 137 रन बनाकर आउट हुए, जिससे पूरे दिन विकेट न गिरने का सपना बस एक कदम दूर रह गया। दूसरी ओर, डेवोन कॉनवे ने आलोचनाओं को पीछे छोड़ते हुए जबरदस्त वापसी की। हाल के समय में उनकी कई पारियां जल्दी समाप्त हुई थीं, लेकिन घास से भरी पिच पर उन्होंने शानदार संयम दिखाया। शुरुआती कठिन दौर के बाद उन्होंने रन गति बढ़ाई और चार साल पहले लॉर्ड्स में दोहरे शतक के बाद अपनी सबसे लंबी टेस्ट पारी खेली। कॉनवे ने चोट और ऐंठन के बावजूद बल्लेबाजी जारी रखी और नाबाद 178 रन बनाकर दिन का अंत किया।

संक्षिप्त समाचार

बुमराह के एक्शन और तेज गति के कारण उनके लिए कार्यभार प्रबंधन जरूरी: उथप्पा

लखनऊ। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का एक्शन और तेज गति उनके शरीर पर अत्यधिक दबाव डालती है और उन्हें पूरी तरह से फिट रखने के लिए उनका कार्यभार का प्रबंधन करना बेहद जरूरी हो जाता है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में बुमराह को आराम दिया गया था और उन्होंने पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में वापसी की। उथप्पा ने जियोस्टार के 'क्रिकेट लाइव' पर कहा, ''वह बेमिसाल मैच विजेता हैं और उनके कार्यभार का प्रबंध करना बेहद जरूरी है। तेज गेंदबाजी शायद इस खेल का सबसे मुश्किल कौशल है और बुमराह इसे बेहद तेज गति से और चुनौतीपूर्ण एक्शन के साथ करते हैं। उन्होंने कहा, ''आप उनको पूरी तरह से फिट बनाए रखना चाहते हैं लेकिन साथ ही आप यह भी चाहते हैं कि वह पर्याप्त क्रिकेट खेलें। हम सभी उनकी प्रतिभा से वाकिफ है और उम्मीद है कि वह विश्व कप से पहले होने वाले मैचों में निरंतरता बनाए रखने में सफल रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका का प्रदर्शन अभी तक उतार चढ़ाव वाला रहा है लेकिन इसके पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा कि उनकी टीम ने भारत दौरे पर उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। स्टेन ने कहा, ''टेस्ट श्रृंखला जीतना शानदार रहा और उन्होंने वनडे में भी कड़ी चुनौती पेश की। पहले वनडे में टॉस जीतने के बावजूद वह हार गए थे। अगर वे वह मैच जीत जाते, तो वनडे श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर सकते थे। इस दिग्गज तेज गेंदबाज ने कहा कि अगर भारत टी20 श्रृंखला जीतता है तो वह इसका हकदार है। उन्होंने कहा, ''अब तक खेले गए तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत बेहतर टीम रही है। एक मैच में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को सस्ते में आउट कर दिया, दूसरे में रन लुटाए, लेकिन धर्मशाला में फिर से दबदबा कायम किया। अगर भारत यह श्रृंखला जीतता है, तो मैं कहूंगा कि उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। वे इसके हकदार हैं। लेकिन मुझे उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीका वापसी करेगा। उनका यह दौरा शानदार रहा है।''

सिलीगुड़ी मैराथन 25 जनवरी को

सिलीगुड़ी। सिलीगुड़ी कॉलेज और सिलीगुड़ी मैराथन कमिटी के संयुक्त प्रयास से 25 जनवरी 2026 को मैराथन का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी सिलीगुड़ी कॉलेज में गुरुवार को आयोजित पत्रकार सम्मेलन में मेयर गौतम देव ने दिया। मैराथन तीन श्रेणियों में होगी, हाफ मैराथन, ड्रीम रन और स्पेशल चाइल्ड रन। हाफ मैराथन (21.1 किमी) में 18 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुष प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे, एंट्री फीस 200 रुपये होगी। ड्रीम रन में 12 वर्ष से ऊपर के प्रतिभागी शामिल हो सकेंगे, एंट्री फीस 20 रुपये रखी गई है। स्पेशल चाइल्ड रन सिलीगुड़ी कॉलेज परिसर में ही होगी। इस प्रतियोगिता में कुल 2,50,500 रुपये की नकद पुरस्कार राशि रखी गई है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को खेल और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है।

जम्मू-कश्मीर ने संतोष ट्रॉफी के लिए टीम चयन प्रक्रिया की जांच के लिए समिति गठित की

जम्मू। जम्मू और कश्मीर सरकार ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता संतोष ट्रॉफी 2025 के लिए जम्मू-कश्मीर की फुटबॉल टीम के चयन की प्रक्रिया की जांच के लिए समिति का गठन किया है। जम्मू कश्मीर खेल परिषद ने संतोष ट्रॉफी के लिए राज्य की फुटबॉल टीम का चयन किया था लेकिन जम्मू क्षेत्र में टीम के चयन पर भेदभाव करने के आरोप लगाए गए जिसके कारण प्रदर्शन भी हुए। खेल मंत्री सतीश शर्मा ने टीम चयन की समयबद्ध और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। भाजपा ने जम्मू क्षेत्र के साथ भेदभाव का आरोप लगाया और उनके इस्तीफ़े की मांग की थी। सरकार की तरफ से बुधवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि इस मामले में समयबद्ध तरीके से तथ्यों का पता लगाने के लिए नौ सदस्यीय समिति के गठन को मंजूरी दे दी गई है। इस समिति की अध्यक्षता युवा कल्याण एवं खेल विभाग की महानिदेशक अनुराधा गुप्ता करेंगी। आदेश में कहा गया है कि समिति को चयन प्रक्रिया की विस्तृत जांच करने, निष्कर्षों के आधार पर सिफारिशें देने और सात दिन के अंदर रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है। आरोपों के अनुसार संतोष ट्रॉफी के लिए जम्मू कश्मीर की टीम में चुने गए 20 खिलाड़ियों में से केवल एक ही जम्मू क्षेत्र से है, जबकि बाकी सभी खिलाड़ी कश्मीर से हैं।

आरपी-संजीव गोयनका समूह ने बंगाल में 15,800 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की प्रतिबद्धता जाहिर की

कोलकाता। आरपी-संजीव गोयनका समूह के चेयरमैन संजीव गोयनका ने पश्चिम बंगाल में ऊर्जा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से 15,800 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय योजना की बृहस्पतिवार को घोषणा की। 'बिजनेस एंड इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 2025' में उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ''निर्णायक नेतृत्व'' की प्रशंसा की। गोयनका कहा कि उनके समूह ने उनके नेतृत्व के पिछले कुछ वर्ष में 26,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित निवेश का मुख्य आधार 12,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 5,000 मेगावाट (एमडब्ल्यूएच) की विशाल भंडारण सुविधा है। आरपी-संजीव गोयनका समूह के चेयरमैन ने दावा किया कि इस परियोजना के भारत में अपनी तरह की पहली परियोजनाओं में से एक होने की उम्मीद है। इस उच्च क्षमता वाले भंडारण का तात्कालिक लक्ष्य कोलकाता शहर को नवीकरणीय स्रोतों से कम से कम 50 प्रतिशत ऊर्जा प्राप्त करने में सक्षम बनाना है। गोयनका ने कहा कि यदि यह लक्ष्य हासिल कर लिया जाता है, तो नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति का यह अनुपात देश में पहला होगा। आरपी-संजीव गोयनका समूह ने इसके लिए आवश्यक भूमि के लिए आवेदन पत्र पहले ही जमा कर दिया है। समूह ऊर्जा क्षेत्र के अलावा, सामाजिक अवसंरचना में महत्वपूर्ण धनराशि लगा रहा है।

डब्ल्यूएफआई ने राष्ट्रीय शिविर में भागीदारी अनिवार्य की, व्यक्तिगत अभ्यास कर रहे पहलवानों को छूट

नयी दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ ने नयी चयन नीति लागू की है जिसके तहत राष्ट्रीय चयन के लिये राष्ट्रीय शिविरों में भागीदारी अनिवार्य है हालांकि व्यक्तिगत अभ्यास कर रहे पहलवानों को इससे छूट रहेगी। इसके साथ ही ओलंपिक खेलों में कोटा जीतने वाले पहलवानों को एक दौर के अंतिम चयन ट्रायल में भाग लेना होगा। डब्ल्यूएफआई की आम परिषद की हाल ही में अहमदाबाद में हुई बैठक में इस नीति को मंजूरी दी गई। इसे फीडबैक और समीक्षा लिये भारतीय खेल प्राधिकरण को भी दिया गया है। नीति में कहा गया, राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों में भागीदारी सभी पहलवानों के लिये अनिवार्य होगी जिसमे एलीट और दिग्गज पहलवान शामिल हैं। शिविर में भाग लेने के लिये राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में पदक जीतना जरूरी है। इसमे कहा गया, एक बार चुने जाने पर पहलवानों को राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास करना होगा।

एशेज टेस्ट: कमिंस और लियोन के आगे इंग्लैंड बेबस, दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया का दबदबा

एजेंसी

एडिलेड। कप्तान पैट कमिंस (3/54) और अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन (2/51) की अगुआई में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने एडिलेड ओवल में खेले जा रहे तीसरे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड के 8 विकेट केवल 213 पर गिरा दिए। इंग्लैंड अब ऑस्ट्रेलिया से 158 रन पीछे है। दूसरे दिन सुबह इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को 371 रन पर समेटते हुए अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। दिन की शुरुआत में मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन ने अपनी रात की साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए स्कोर को 326/8 से 344 तक पहुंचाया। स्टार्क ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 73 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन जोफ्रा आर्चर ने उनकी 54 रन की पारी का अंत किया। आर्चर ने लियोन का विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की पारी समाप्त की और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना तीसरा पांच विकेट हॉल सहित कुल चौथा फाइफर पूरा किया। जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत सकारात्मक रही, लेकिन कप्तान पैट कमिंस ने आठवें ओवर में जैक क्रॉली को आउट कर पहली सफलता दिलाई। इसके बाद नाथन लियोन ने अपने पहले ही ओवर में ओली पोप और बेन डकेट को लगातार दो गेंदों पर आउट कर इंग्लैंड को बड़ा झटका दिया। इस दौरान लियोन ने ग्लेन मैक्ग्राथ (563 विकेट) को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का कीर्तिमान भी रच दिया। जो रूट और हैरी ब्रूक ने कुछ देर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन कमिंस ने रूट को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेज दिया। कप्तान बेन स्टोक्स और हैरी ब्रूक ने संघर्ष दिखाया, लेकिन बड़ी साझेदारी नहीं कर सके। ब्रूक 45 रन बनाकर आउट हुए, जबकि स्टोक्स 45 रन बनाकर नाबाद रहे। दिन के खेल में अंपायरिंग और स्निको तकनीक को लेकर भी विवाद देखने को मिला। जेमी स्मिथ के दो फैसलों पर सवाल उठे, जिससे इंग्लैंड के खेमे में नाराजगी दिखी। मिचेल स्टार्क ने स्टंप माइक पर स्निको तकनीक की आलोचना करते हुए इसे 'सबसे खराब तकनीक' तक कह दिया। स्कॉट बोलैंड ने विल जैक्स और ब्रायडन कार्स को सस्ते में आउट कर इंग्लैंड की मुश्किलें और बढ़ा दीं। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड 213/8 रन बना सका।

नाथन लियोन ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने टेस्ट क्रिकेट में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। जारी एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन एडिलेड ओवल में लियोन ने पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्राथ को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट इतिहास में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। इस उपलब्धि के लिए लियोन को दो विकेट की दरकार थी और 38 वर्षीय ऑफ स्पिनर ने यह कारनामा अपने पहले ही ओवर में कर दिखाया। ओवर की तीसरी गेंद पर उन्होंने ओली पोप को मिडविकेट पर जोश इंग्लिस के हाथों कैच कराया। वहीं ओवर की आखिरी गेंद पर लियोन ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट की ऑफ स्टंप उखाड़ दी। इन दो विकेटों के साथ लियोन ने टेस्ट क्रिकेट में अपने विकेटों की संख्या 564 तक पहुंचा दी और ग्लेन मैक्ग्राथ के 563 विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

निसान मोटर की 7 सीटर एमपीवी ग्रेवाइट जनवरी में होगी लॉन्च, मार्च से शो रूम में मिलेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। निशान मोटर इंडिया ने अपनी नई कॉम्पैक्ट बी-एमपीवी ग्रेवाइट से पर्दा उठा दिया है। यह गाड़ी भारत में 2026 की शुरुआत में लॉन्च की जाएगी, जो मार्च 2026 से शो रूम में उपलब्ध होगी। हालांकि, कंपनी ने इसकी कीमत का खुलासा अभी नहीं किया है। यह भारत के लिए ब्रांड की रीफ्रेश्ड एवं स्ट्रेटजिक लाइन-अप के तहत लॉन्च किया गया पहला मॉडल होगा। इससे निसान के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के विस्तार को गति मिलेगी। निसान मोटर इंडिया ने गुरुवार को कहा कि अपनी महत्वाकांक्षी प्रोडक्ट ऑफेंसिव के तहत दूसरे मॉडल के रूप में जुलाई, 2024 में ग्रेवाइट की घोषणा की गई थी। ये कंपनी के विकास की गति को दिखाने वाला मॉडल है। कंपनी के प्रोडक्ट रोडमैप में 2026 की शुरुआत में ग्रेवाइट की लॉन्चिंग, 2026 के मध्य में टेक्टॉन और 2027 की शुरुआत में 7-सीटर सी-एसयूवी की लॉन्चिंग शामिल है। इससे भारतीय ग्राहकों के लिए अपनी ऑफरिंग को विविध, मजबूत और रीवाइटलाइज करने की निसान की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है। कंपनी ने बताया कि केबिन में शानदार खुलेपन और खास क्लास-लीडिंग स्टोरेज इनोवेशन के साथ ग्रेवाइट परिवारों के सफर को खास बनाएगी। इसके हर पहलू को खास तौर पर विविधता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें पैसेंजर एवं कार्गो की अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से एडाप्ट करने वाली अल्ट्रा मॉड्यूलर सीटिंग है। इससे स्मार्ट तरीके से स्पेस यूटिलाइजेशन होता है, जो रोजाना के सफर के साथ-साथ फैमिली रोड ट्रिप के लिए भी सुगम है। 2026 की शुरुआत में ग्रांड डेब्यू के लिए तैयार ऑल न्यू ग्रेवाइट को चेन्नई स्थित प्लांट में मैन्युफैक्चर किया जाएगा। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि ऑल न्यू ग्रेवाइट बदलते भारतीय बाजार पर निसान मोटर इंडिया के नए सिरे से फोकस करने का सबूत है। यह मॉडल देश के ताने-बाने में गहराई से जुड़ा हुआ है और इसे हमारे ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों के लिए एकदम सही साथी बनने के लिए डिजाइन किया गया है। हमारे नए प्रोडक्ट लाइन-अप में दूसरे मॉडल के तौर पर ग्रेवाइट बदलाव के हमारे सफर में अहम कदम है और भारतीय ग्राहकों की उम्मीदों के मुताबिक व्हीकल्स देने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

एआई से दफ्तरों में काम करने वालों की नौकरियों को सबसे अधिक खतरा: सूचना प्रौद्योगिकी सचिव

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने बृहस्पतिवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) से कार्योंलयों में काम करने वालों की नौकरियों को सबसे अधिक खतरा है। उद्योग मंडल फिक्की के 'एआई इंडिया' सम्मेलन में कृष्णन ने कहा कि चूंकि एआई अब सीधे तौर पर सोच-विचार कर किए जाने वाले और विश्लेषण से जुड़े कार्यों को चुनौती दे रहा है, इसलिए कार्योलयों में काम करने वाले कर्मचारियों की नौकरी पर सबसे अधिक खतरा मंडरा रहा है। सचिव ने कहा, '' पिछली औद्योगिक क्रांतियों को देखें तो३ उन्होंने जिस तरह के बदलाव लाए, उनमें से अधिकतर बदलाव शारीरिक, लोगों द्वारा किए जाने वाले काम को स्वचालित करने से संबंधित थे। पहली बार, एआई वास्तव में सोच-समझ कर किए जाने वाले काम की जगह ले रहा है। इसलिए, जो लोग सोच-विचार से जुड़े या विश्लेषण से जुड़े काम करते हैं उन्हीं की नौकरी पर एआई की वजह से सबसे अधिक खतरा है। कृष्णन ने विस्थापन के खतरे के बावजूद विशेष रूप से भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में उत्पादकता बढ़ाने में एआई की महत्वपूर्ण क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि कौशल विकास के माध्यम से नए रोजगार के अवसर उत्पन्न करने की क्षमता, वर्तमान में नौकरियों को हो रहे नुकसान कहीं अधिक है। सचिव ने कहा, '' कई कंपनियों के लिए तात्कालिक प्रलोभन यह हो सकता है कि वे शुरुआती सफलताओं पर ध्यान दें और भविष्य में आने वाली दीर्घकालिक समस्याओं को भूल जाएं लेकिन सरकार के रूप में हम इस मामले के दोनों पहलुओं को लेकर चिंतित हैं। ऐसा नहीं है कि हम नौकरियों पर पड़ रहे असर को लेकर चिंतित नहीं हैं।

श्रम संहिताएं रोजगार को संगठित रूप देंगी, निरीक्षकों की भूमिका सुविधा प्रदान करने वाली: मांडविया

नयी दिल्ली। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में लागू किए गए श्रम कानून के 'मनमाने तरीके से नौकरी पर रखने व निकालने' और 'इंस्पेक्टर राज' को बढ़ावा देने की चिंताओं को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया और कहा कि नए कानून रोजगार को संगठित रूप देंगे जबकि निरीक्षक चीजों को सुगम बनाने की भूमिका निभाएंगे नए नियमों के तहत, 300 कर्मचारियों वाली इकाइयों में छंटनी, कर्मचारियों की कटौती एवं इकाइयों को बंद करने के लिए सरकारी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। पहले 100 कर्मचारियों वाली इकाइयों को ऐसी अनुमति की आवश्यकता नहीं थी। 'टाइम्स नेटवर्क इंडिया इकोनॉमिक कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा, '' हमने देश में रोजगार को संगठित रूप दिया है और प्रति इकाई श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर 300 कर दी है, जो पहले 100 थी। उन्होंने कहा कि पहले नियोक्ता कानूनी झंझटों से बचने के लिए 100 श्रमिकों को औपचारिक रोजगार देते थे और बाकी को असंगठित रूप से नियोजित करते थे। मांडविया ने कहा कि नए नियमों ने इन बचे हुए श्रमिकों के रोजगार को संगठित रूप दे दिया है और उन्हें वे सभी लाभ मिलेंगे जो एक पंजीकृत कर्मचारी को मिलते हैं। अनुपालन का बोझ बढ़ाकर 'इंस्पेक्टर राज' को बढ़ावा देने की चिंताओं पर उन्होंने स्पष्ट किया कि निरीक्षक किसी उद्योग के काम में बाधा डालने वाला नहीं बल्कि सुविधादाता होगा।

इंडिगो ने रोजाना शुरु कीं 2,200 फ्लाइट्स खुद को मजबूत करने पर ध्यान केन्द्रित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। विमानन कंपनी इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने गुरुवार को कहा कि एयरलाइन अपने फ्लाइट नेटवर्क को फिर से शुरू कर दिया है, अब रोजाना लगभग 2,200 उड़ानों का परिचालन हो रहा है। उन्होंने कहा कि विमानन कंपनी का ध्यान अब खुद को मजबूत करने, मूल कारण का विश्लेषण और फिर से वापसी करने पर है। इंडिगो सीईओ का यह बयान एक संसदीय समिति द्वारा एयरलाइन की कड़ी आलोचना के कुछ घंटे बाद आया है, जिसने दिसंबर की शुरुआत में ऑपरेशनल दिक्कतों के कारण भारतीय एविएशन को लगभग ठप कर दिया था। पीटर एल्बर्स ने इंडिगो कर्मचारियों को एक वीडियो मैसेज में कहा कि एयरलाइन की टीमों ने मुश्किल समय में कंधे से कंधा मिलाकर काम किया और एक-दूसरे का साथ देते हुए बड़े नेटवर्क को धीरे-धीरे वापस पटरी पर लाया। उन्होंने बताया कि विमानन कंपनी के निदेशक मंडल ने मूल-कारण का विश्लेषण करने के लिए एक बाहरी विमानन विशेषज्ञ को भी नियुक्त किया है। उन्होंने कहा, ''9 दिसंबर को मैंने इंडिगो के परिचालन में स्थिरता आने की जानकारी साझा की थी। उसके बाद, आज 18 दिसंबर को हमने अपने नेटवर्क को 2,200 उड़ानों के साथ बहाल किया है। अब हम तीन चीजों, विमानन कंपनी को मजबूत करने, मूल कारण का विश्लेषण करने और फिर से वापसी करने ध्यान दे रहे हैं। पीटर एल्बर्स ने कहा कि हाल की दिक्कतों का सबसे बुरा दौर अब पूरी तरह से पीछे छूट गया है। एल्बर्स ने कहा कि वह नेतृत्व दल के साथ कई स्थानों की यात्रा करेंगे, ताकि कर्मचारियों से मिल सकें और व्यवधानों के दौरान उन्हें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उन्हें समझ सकें। ये वे कर्मचारी हैं जिन्होंने व्यापक व्यवधान के दौरान जमीनी स्तर पर काम किया था। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलट के 'ड्यूटी' के समय एवं आराम संबंधी नए नियमों को लागू करने में विफलता और कर्मचारियों की कमी के कारण इंडिगो ने एक से नौ दिसंबर के बीच हजारों उड़ानें रद्द कर थी। ये नियम एक नवंबर से लागू किए गए थे। डीजीसीए की एक समिति भी इंडिगो में परिचालन संबंधी व्यवधानों की जांच कर रही है। इसके अलावा, इस महीने की शुरुआत में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने के बाद सरकार ने इंडिगो के मौजूदा शीतकालीन कार्यक्रम (शेड्यूल) में 10 फीसदी की कटौती कर दी है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

रिटायर्ड बुजुर्ग अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर साइबर अपराधियों ने 12 लाख रुपए ठगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 78 स्थित एक सोसाइटी में रहने वाले रिटायर्ड अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट करके साइबर अपराधियों ने उनसे 12 लाख रुपए की ठगी कर ली। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर साइबर क्राइम पुलिस मामले की जांच कर रही है। अपर पुलिस उपयुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने गुरुवार को बताया कि बीती रात को रामसेवक तोमर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर 78 स्थित द हाइट पार्क सोसाइटी में रहते हैं। उनके अनुसार वह भारत सरकार से सेवानिवृत एक वरिष्ठ नागरिक हैं। उनकी पत्नी का पूर्व में देहांत हो चुका है। पीड़ित के अनुसार वह अपने घर पर अकेले रहते हैं। उनके बच्चे घर से बाहर रहकर नौकरी कर रहे हैं। अपर उपायुक्त ने बताया कि पीड़ित के अनुसार 29 नवंबर को उनके मोबाइल फोन पर एक वीडियो कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को प्रदीप सावंत इन्वेस्टिगेशन ऑफीसर क्राइम ब्रांच हेडक्वार्टर दिल्ली बताया। उसने कहा कि आपकी आईडी आधार कार्ड का प्रयोग करके केनरा बैंक दिल्ली में अकाउंट खोला गया है, जिससे डेबिट कार्ड हासिल किया गया है। उस खाते का प्रयोग नरेश अग्रवाल मनी लांड्रिंग केस में किया गया है। जिसमें उसकी भूमिका पाई गई है। पीड़ित के अनुसार तथा कथित अधिकारी ने उसके फोन को एक सीनियर ऑफिसर से कनेक्ट कर दिया, जिसने अपना नाम विजय कुमार खन्ना बताया। वह पुलिस यूनिफॉर्म पहने हुए था। पीड़ित के अनुसार कथित पुलिस अधिकारी ने कहा कि आपको मनी लांड्रिंग के केस में अपनी लिखित अपील भेजनी है। आप यह लिख कर दे दो कि आपका कार्ड चोरी हो गया था। मैं इसमें शामिल नहीं हूं। पीड़ित के अनुसार उन्होंने कथित अधिकारी के निर्देशानुसार ऐसा ही किया। उन्होंने बताया कि इसी बीच आरोपियों ने उन्हे डिजिटल अरेस्ट कर लिया तथा कहा कि 1 दिसंबर को सीबीआई कोर्ट में आपको बयान दर्ज कराने होंगे। पीड़ित के अनुसार 1 दिसंबर को उनके पास वीडियो कॉल आई, जिसमें एक व्यक्ति सामने जज की वेशभूषा में बैठा हुआ था। पीड़ित के अनुसार उक्त जज ने उसके ऊपर लगाए गए आरोप का अन्यायपूर्ण ढंग से फैसला सुनाया और कहा कि जो भी फंड उनके पास है, उसे एक सुपरविजन अकाउंट में जमा कर दें।

सांसद किशोरी लाल शर्मा की पहल से मृतक मजदूर के परिवार को मिली राहत सामग्री

अमेठी। अमेठी जनपद के मुंशीगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कोरारी लच्छनशाह गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में मिले शव के मामले में सांसद किशोरी लाल शर्मा ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए मृतक के परिजनों को राहत पहुंचाई है। सांसद द्वारा भिजवाई गई राहत सामग्री कांग्रेस नेता व रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति के सदस्य अनुपम पांडेय के माध्यम से मृतक के घर पहुंचाई गई। उल्लेखनीय है कि बुधवार सुबह करीब सात बजे गांधी इंटर कॉलेज के पास पंचायत द्वारा रखी गई बेंच पर एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। मृतक की पहचान भेटुआ ब्लॉक की ग्राम पंचायत पीपरपुर अंतर्गत रामापुर निवासी अमर पाल उर्फ अमरू (42) के रूप में हुई थी। जानकारी के अनुसार अमर पाल अत्यंत गरीब थे। न उनके पास रहने के लिए पक्का घर था और न ही कोई खेती की जमीन। परिवार में उनकी वृद्ध मां फूलकला और एक भाई है। आर्थिक तंगी के चलते दोनों भाइयों की शादी भी नहीं हो सकी थी। अमर पाल मजदूरी कर किसी तरह परिवार का भरण-पोषण करते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार मंगलवार देर रात अमर पाल को गांधी इंटर कॉलेज के पास पंचायत की बेंच पर बैठे देखा गया था। कुछ लोगों ने उन्हें घर जाने की सलाह दी, लेकिन वह वहीं रुके रहे। बुधवार सुबह उसी स्थान पर उनकी लाश संदिग्ध हालत में मिली थी। सांसद किशोरी लाल शर्मा के निर्देश पर गुरुवार सुबह कांग्रेस नेता अनुपम पांडेय मृतक की मां फूलकला के घर पहुंचे और उन्हें कंबल, दरी, दैनिक उपयोग के बर्तन, राशन सामग्री के साथ आर्थिक सहायता प्रदान की। इसके साथ ही घर के बाहर प्रकाश व्यवस्था के लिए एक सोलर लाइट भी तत्काल लगवाई गई।

आशा वर्कर्स का हल्लाबोल, हक व मानदेय को लेकर सरकार से दो-टूक मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन (ऐक्टू से संबद्ध) की ओर से आशा व आशा संगिनी कर्मियों की लम्बित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से सौंपा गया। यूनियन ने आरोप लगाया कि दशकों से आशा वर्कर्स स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ बनी हुई हैं, लेकिन सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा उनकी समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। ज्ञापन में कहा गया कि आशा कर्मियों से 74 से अधिक कार्य कराए जाते हैं। जबकि अधिकांश कार्यों की प्रोत्साहन राशि का भुगतान वर्षों से नहीं हुआ है। आधारभूत मानदेय, केंद्र व राज्य वित्त से मिलने वाली प्रोत्साहन राशियां कई माह से बकाया हैं। कुछ कार्यों की प्रोत्साहन राशि का आज तक पुनरीक्षण भी नहीं किया गया, जिससे आशा कर्मियों की आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई है। यूनियन ने मांग की कि आशा व आशा संगिनी को मानद स्वयंसेवक के बजाय सरकारी कर्मचारी का दर्ज़ा दिया जाए और न्यूनतम वेतन लागू किया जाए। जब तक न्यूनतम वेतन लागू न हो, तब तक आशा कर्मियों को 21 हजार रुपये और आशा संगिनी को 28 हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जाए। साथ ही ईपीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा और 50 लाख रुपये का जीवन बीमा सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई। ज्ञापन में गोल्डन आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी निर्माण में किए गए कार्यों के सापेक्ष 125.2 करोड़ रुपये के बकाया भुगतान, वर्ष 2018 से 2025 तक दुर्घटनाओं में मृत आशा कर्मियों के परिजनों को बीमा व मुआवजा, तथा वर्षों से लम्बित करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये की प्रोत्साहन व अनुग्रह राशि के तत्काल भुगतान की मांग की गई। यूनियन ने सभी जिलों में लैंगिक उत्पीड़न रोकथाम के लिए जीएस कैश गठन और आशा कर्मियों को प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी न होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

पुलिस,प्रशासनिक एवं न्यायिक अधिकारियों ने एक साथ जिला जेल फतेहगढ़ का किया निरीक्षण

फर्रुखाबाद। जिले में पड़ रही हाड़ कपाऊ ठंड और घने कोहरे में गुरुवार को जिला स्तरीय न्यायिक, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने जिला जेल फतेहगढ़ का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जिला जेल पहुंचते ही इस ठंड में बंदियों के अपने ओढ़ने बिछाने के कपड़ों को बारीकी से देखा । जेल प्रशासन को अति शीघ्र व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए। बताते चलें कि जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी, जिला जज नीरज कुमार और एसपी आरती सिंह ने जिला जेल पहुंचकर बंदियों के भोजन, अस्पताल आदि का निरीक्षण किया। न्यायिक ,प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को बंदियों ने बताया कि उन्हें गंभीर हालत में ही लोहिया अस्पताल भेजा जाता है।

सहारनपुर में जयपुर पुलिस ने छापेमारी कर 4.30 लाख के जाली नोट किये बरामद, एक गिरफ्तार

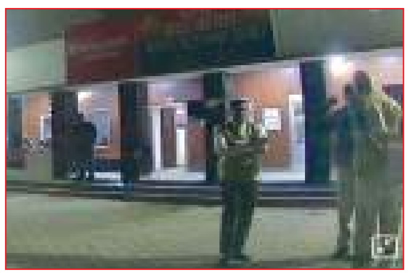

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से नकली नोटों के बड़े नेटवर्क का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। राजस्थान पुलिस ने बुद्धवार देर रात सहारनपुर में छापेमारी कर एक युवक को नकली नोट बनाते हुए अरेस्ट किया है। उसके घर से 4.30 लाख रुपए के नकली नोट, नोट छापने के उपकरण और डाई बरामद हुई है। इस कार्रवाई के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कम्प मच गया है। राजस्थान पुलिस आरोपित को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर जयपुर रवाना हो गई है, जहां उससे पूछताछ के बाद देश भर में फैले बड़े नकली नोट नेटवर्क होने की सम्भावना जताई जा रही है। दरअसल, जयपुर कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने बीते रविवार रात चित्रकूट इलाके में दबिश देकर नकली नोटों की तस्करी में शामिल गोविंद चौधरी और देवांश फंडा को गिरफ्तार किया था। दोनों के कब्जे से कुल 2.90 लाख रुपए के नकली नोट बरामद हुए थे। पूछताछ में आरोपितों ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि नकली नोटों की पूरी खेप उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से लाई गई थी। इस इनपुट के बाद राजस्थान पुलिस बुधवार देर रात सहारनपुर पहुंची। थाना सदर बाजार पुलिस को साथ लेकर राजस्थान पुलिस ने दिल्ली रोड स्थित सेंट्रल बाग कॉलोनी में छापा मारा। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस गौरव पुंडीर के घर पहुंची, जहां से नकली नोटों का जखीरा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, आरोपित अपने घर में ही नकली नोट तैयार कर रहा था।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

नेशनल हेराल्ड मामले में भाजपा कार्यालय का घेराव करने जा रहे कांग्रेस के नेताओं को पुलिस ने उनके घर में रोका

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस के शीर्ष नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को न्यायालय से राहत मिलने के बाद पार्टी के नेता केंद्र और प्रदेश सरकार पर हमलावर हैं। पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर गुरुवार को भाजपा कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन करने जा रहे पदाधिकारियों को पुलिस अफसरों ने उनके घर में ही रोक लिया। पार्टी नेताओं ने सोशल साइट्स पर इसकी जानकारी देते हुए सरकार के ऊपर जमकर निशाना साधा। पार्टी के महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने य़ह जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें भी घर में रोका गया है। केंद्र सरकार की बदनीयत और गैरकानूनी ईडी कार्यवाही के विरोध में कंाग्रेस प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में भाजपा मुख्यालय के घेराव कर चेतावनी प्रदर्शन करने का कार्यक्रम रहा। अदालत ने यंग इंडियन मामले में पार्टी नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को अवैध करार दिया है। गांधीवादी विचारधारा से घबराई सरकार तानाशाही करते हुए हमारे कार्यकर्ताओं को जबरिया पुलिस के बल पर घरों पर हाउस अरेस्ट करा रही है। हम कंाग्रेस के लोग हैं इस सबसे डरने वाले व दबने वाले नहीं हैं। अंतिम सांस तक न्याय की लड़ाई लड़ेंगे। उधर, प्रदर्शन करने जा रहे कुछ कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया और उन्हें पुलिस लाइन ले गई। नेशनल हेराल्ड मामले में कंाग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए जवाहर नगर एक्सटेंशन कालोनी स्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय जनसंपर्क कार्यालय और आसपास सुरक्षा की किलेबन्दी की गई है। गुरु धाम चौराहे से ही सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद की गई है।

एटीएम बदलकर सेवानिवृत्त एसआई के खाते से उड़ाए 2.97 लाख रुपये

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के सदर कोतवाली क्षेत्र के आवास विकास कॉलोनी निवासी सेवानिवृत्त उप निरीक्षक ज्ञान सिंह के बैंक खाते से टप्पेबाजी कर 2 लाख 97 हजार रुपये निकाल लिए गए। यह रकम उन्होंने अपनी पुत्री की शादी के लिए बचाकर रखी थी। घटना कानपुर रोड स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम की है, जहां एटीएम बदलकर ठगी की गई। पूरी घटना बैंक के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें आरोपित युवक का चेहरा स्पष्ट दिखाई दे रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्ञान सिंह उत्तर प्रदेश पुलिस में उप निरीक्षक के पद से पिछले वर्ष सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद मिले फंड के पैसों को उन्होंने बेटी की शादी के लिए सुरक्षित रखा था। बुधवार शाम करीब 4:30 बजे उनके पुत्र अमित एचडीएफसी बैंक के एटीएम से रुपये निकालने पहुंचे। एटीएम कक्ष में पहले से मौजूद एक युवक ने चालाकी से टप्पेबाजी की। बताया गया कि जब अमित ने एटीएम से पैसे निकालने का प्रयास किया तो रुपये नहीं निकले। इस पर पास खड़े युवक ने कार्ड साफ करने के बहाने अमित से एटीएम लिया और चुपचाप उसे बदलकर दूसरा कार्ड थमा दिया। इसके बाद अमित ने दोबारा रुपये निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली और वह घर लौट आया। घर पहुंचने पर उसे पता चला कि उसका एटीएम कार्ड बदला हुआ है। घबराए अमित ने तुरंत सदर कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और बाद में पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती से मिलकर पूरी घटना की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल को जांच सौंपी है।

आईजी झांसी दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे उरई, लापरवाही बरतने पर चौकी इंचार्ज को लगाई फटकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उरई। आईजी झांसी आकाश कुलहरि दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार को जालौन के मुख्यालय उरई पहुंचे। जहां उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने दर्जनों फरियादियों की शिकायतें सुनीं और महिला संबंधी मामले में संतोषजनक कार्यवाही न करने पर चौकी इंचार्ज को फटकार लगाई। उन्होंने चौकी इंचार्ज विवेचक के खिलाफ विभागीय कार्यवाही के निर्देश दिए। बता दें कि आईजी आकाश कुलहरि दो दिवसीय दौरे पर उरई पहुंचे। यहां पर उन्होंने खुद पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बैठकर पीड़ितों की फरियाद को सुना और तुरंत महिला अपराध संबंधी मामलों में तुरंत एफआईआर दर्ज कराने के आदेश दिए। इस दौरान एक चौकी प्रभारी द्वारा लापवाही बरतने पर फटकार लगाते हुए विभागीय कार्यवाही के आदेश दिए। मीडिया बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में चोरी की घटनाएं बढ़ जाती हैं ऐसे में दूसरे प्रदेश के चोर सीमा पार कर वारदातों को अंजाम देते हैं। हाल में ही एक गैग का खुलासा हुआ था जो मध्य प्रदेश के रहने वाले थे।

पुलिस विभाग की तरफ से सीमा से सटे क्षेत्र के संबंधित आईजी को पत्र लिखा गया है। जिसमें विगत 5 सालों में अपराधों में लिप्त लोगों की हिस्ट्रीशीट खुलवाने के लिए कहा है। यहां की पुलिस सीमा से सटे बॉर्डर पर बैरिकेट बनाए हुए हैं और संदिग्धों पर नज़र रखते हैं। वहीं, उन्होंने कहा कि आईजीआरएस की शिकायतों की जांच और एसपी ऑफिस का निरीक्षण भी किया। यह दौरा वार्षिक निरीक्षण को लेकर किया गया। महिला संबंधी मामले में संतोषजनक कार्यवाही न करने पर चौकी इंचार्ज को फटकार लगाई गई और विभागीय कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

पुलिस के हत्थे चढ़ा बीमा कम्पनी का मैनेजर, जालसाजों ने फर्जीवाड़ा कर हड़पे करोड़ों रूपये

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महोबा। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के महोबा जनपद में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जालसाजों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए भोले-भाले किसानों के साथ ही सरकारी नदी, नाला, चकमार्ग, पहाड़ और वन विभाग की जमीनों का भी बीमा कराकर धोखाधड़ी कर करोड़ों रूपये क्लेम का भुगतान भी ले लिया। 27 अगस्त को बीमा कम्पनी इफको टोकियो के जिला प्रबंधक पर मुकदमा दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने 112 दिन बाद गिरफ्तार कर लिया है।

गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि फर्जी कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से कई लोगों द्वारा फसल बीमा की पॉलिसी लेकर अनुचित लाभ लिया गया है। मामले का खुलासा होने पर चरखारी थाना में 27 अगस्त को मुकदमा दर्ज हुआ था। तभी से बीमा कम्पनी का मैनेजर फरार चल रहा था।बुधवार को जालौन जनपद निवासी बीमा कम्पनी के जिला प्रबंधक निखिल और सीएचसी संचालक महोबकंठ थाना क्षेत्र के कोटरा गांव निवासी अरविंद यादव, चरखारी के रोशनपुरा निवासी श्यामलाल सेन, छतरवारा गांव निवासी बृजगोपाल अरजरिया को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया गया है। जिलाधिकारी गजल भारद्वाज के निर्देश पर हुई जांच में बीमा कम्पनी, जनसेवा केंद्र संचालकों और कृषि विभाग की साठ-गांठ उजागर हुई । अभी तक मामले में बीमा कम्पनी के प्रबंधक समेत 26 नामजद व अन्य अज्ञात पर केस दर्ज हो चुका है। महिला समेत 23 आरोपितों को पुलिस जेल भेज चुकी है। जिनमें सीएचसी संचालक और बीमा कर्मी हैं। 24 सितम्बर को जिला सत्र न्यायालय द्वारा पांच आरोपितों की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। अभी तक जिले भर में सदर कोतवाली, चरखारी, कुलपहाड़, पनवाड़ी व अजनर थाना में छह मुकदमें दर्ज किए जा चुके हैं। और डीएम के निर्देश पर कृषि विभाग के बीमा पटल सहायक अतुलेंद्र विक्रम सिंह को निलम्बित किया जा चुका है।

बुंदेलखंड में प्रधानमंत्री फसल बीमा हुए करोड़ों रूपये के घोटाले की गूंज केंद्र तक पहुंच गई है। महोबा, हमीरपुर तिंदवारी क्षेत्र से सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी की मांग पर कृषि मंत्री भारत सरकार शिवराज सिंह चौहान ने बुंदेलखंड में फसल बीमा में हुए फर्जीवाड़ा को लेकर महोबा और हमीरपुर डीएम को मामले की जांच करा कृषि सांख्यिकी और फसल बीमा विभाग को जल्द से जल्द जांच रिपोर्ट से अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। आसपास के जनपदों समेत मप्र, राजस्थान, बिहार सहित अन्य राज्यों के नटवरलालों ने फर्जीवाड़ा कर किसानों के हक को डकारने का काम किया है।